संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 166
पृष्ठ 8
बुधवार
05 मार्च 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रोज ब्रश करने के बाद भी पीले...

विचार- जेलेंस्की-ट्रम्प विवाद से नये समीकरण

खेल- 'अपनों' के खिलाफ खेल रहे तनवीर...

अपेक्षाओं से अधिक डिलीवरी वाला है यह बजट : मोदी

नयी दिल्ली 04 मार्च (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगले वित्त वर्ष के आम बजट को अपेक्षाओं से अधिक डिलीवरी वाला बताते हुए मंगलवार को कहा कि कई सेक्टर्स ऐसे हैं, जहां विशेषज्ञों ने भी जितनी अपेक्षाएं की थीं, उससे अधिक कदम सरकार ने उठाए हैं। श्री मोदी ने मंगलवार को बजट के बाद की वेबिनार श्रृंखला की दूसरी कड़ी में लघु एवं मझौल उद्योग विनिर्माण निर्यात और परमाणु ऊर्जा मिशन जैसे विषयों पर चर्चा की। उन्होंने विनिर्माण और निर्यात पर इस बजट वेबिनार को हर दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण बताते हुए कहा "ये बजट, हमारी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट था। इस बजट की सबसे खास बात रही, अपेक्षाओं से अधिक डिलीवरी।" उन्होंने कहा कि आज दुनिया का हर देश, भारत के साथ अपनी आर्थिक भागीदारी को मजबूत करना चाहता है। देश के विनिर्माण क्षेत्र को इस भागीदारी का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा, "हमने आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ाया और सुधारों की अपनी गति को और तेज किया। हमारे प्रयासों से अर्थव्यवस्था पर कोविड का प्रभाव कम हुआ, इससे भारत को तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनाने में मदद मिली।" श्री मोदी ने कहा कि आज 14 सेक्टर्स को उत्पादकता लिंक्ड प्रोत्साहन योजना का फायदा मिल रहा है। इस योजना के तहत 7.5 करोड़ इकाइयों को मंजूरी दी गई है। इससे 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश आया है, 13 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का उत्पादन हुआ है और पांच लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निर्यात हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत की विनिर्माण यात्रा में शोध और विकास का अहम योगदान है, इसे और आगे बढ़ाने और गति देने की आवश्यकता है। शोध और विकास के द्वारा नवाचारी उत्पादों पर फोकस किया जा सकता है, साथ ही उत्पादों में वैल्यू एडिशन भी हो सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा , "2020 में, हमने एमएसएमई की परिभाषा को संशोधित किया। यह 14 साल बाद किया गया था। इससे यह डर दूर हो गया कि बढ़ते व्यवसायों से सरकारी लाभ नहीं मिल पाएंगे। नतीजतन, एमएसएमई की संख्या बढ़कर छह करोड़ से अधिक हो गई है, जिससे करोड़ों भारतीयों को रोजगार मिल रहा है। इस साल के बजट में, हमने एमएसएमई के विस्तार को आश्वस्त करने के लिए परिभाषा को और संशोधित किया।" ऋण वितरण के लिए नए तरीके अपनाने की जरूरत बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि इससे एमएसएमई को कम लागत और समय पर ऋण मिल सकेगा। पांच लाख पहली बार उद्यम करने वाली महिलाओं तथा एससी और एसटी उद्यमियों को दो करोड़ रुपये तक का ऋण दिया जाएगा। उन्हें न केवल ऋण की जरूरत है, बल्कि मार्गदर्शन की भी जरूरत है। उद्योगों को उन्हें सहायता देने के लिए मेंटरशिप कार्यक्रम शुरू करने चाहिए।"

मद्रास, बॉम्बे उच्च न्यायालय में आठ न्यायाधीशों की नियुक्ति

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने मद्रास और बॉम्बे उच्च न्यायालयों में कुल आठ न्यायाधीशों की नियुक्ति की है जिनमें चार मद्रास उच्च न्यायालय और चार मुंबई उच्च न्यायालय के लिये हैं। विधि एवं न्याय मंत्रालय की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इनमें मद्रास उच्च न्यायलय में नियुक्त चार और मुंबई उच्च न्यायालय में नियुक्त तीन न्यायाधीश इन न्यायालयों में अपर न्यायाधीश के रूप में कार्य कर रहे थे। इन्हें उनके वर्तमान न्यायालयों में स्थायी किया गया है। मुंबई न्यायालय में चौथी नियुक्ति अपर न्यायाधीय के पद के लिए है, जो आगामी अगस्त से एक वर्ष के लिए प्रभावी होगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु ने भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए इन उच्च न्यायालयों में स्थायी न्यायाधीश/अपर न्यायाधीश के रूप में नियुक्त की है।

अधिकारियों की नीति और कार्यों का उद्देश्य सभी का विकास होना चाहिए : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अधिकारियों से कहा है कि डेटा–संचालित प्रणालियाँ दक्षता बढ़ा सकती हैं लेकिन वे सहानुभूति और अखंडता की जगह नहीं ले सकती इसीलिए उनकी नीतियों और कार्यों का उद्देश्य सभी के विकास, विशेष रूप से वंचित और कमजोर वर्गों का विकास होना चाहिए। श्रीमती मुर्मु ने मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में भारतीय राजस्व सेवा के 78वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारियों के रूप में वह यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे कि इस आवश्यक संसाधन को निष्पक्ष, प्रभावी और पारदर्शी तरीके से एकत्र किया जाए। उन्होंने कहा , "देश में बुनियादी ढांचा बढ़ रहा है, डिजिटल कनेक्टिविटी अंतराल को पाट रही है और आर्थिक अवसर पहले से कहीं अधिक सुलभ हैं। विकास को टिकाऊ और समावेशी बनाने के लिए, संसाधनों का प्रबंधन दक्षता तथा निष्पक्षता के साथ किया जाना चाहिए और नागरिकों को सिस्टम पर भरोसा करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उनकी यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है कि सभी अपनी वैध क्षमता के अनुसार योगदान दे और लोगों के साथ सम्मान के साथ व्यवहार किया जाए। राष्ट्रपति ने कहा कि बदलते समय, बढ़ती अपेक्षाओं और सरकारी पहलों ने अधिक दक्षता, पारदर्शिता और सुविधा के एक नए युग की शुरुआत की है। डिजिटल तकनीक इस बदलाव के मूल में है। उन्होंने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि आयकर विभाग सटीकता के साथ विसंगतियों का पता लगाने के लिए उन्नत डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करता है और साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि ईमानदार करदाताओं को असुविधा का सामना न करना पड़े।

केंद्र ने उत्तरी राज्यों में तमिल पढ़ाने के लिए संस्थान क्यों नहीं स्थापित किए : स्टालिन

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कथित तौर पर हिंदी थोपने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आश्चर्य जताया कि केंद्र सरकार ने उत्तर भारत के राज्यों के लोगों को तमिल या अन्य दक्षिण भारतीय भाषाएं सिखाने के लिए संस्थान स्थापित करने में मदद क्यों नहीं की। 'हिंदी थोपे जाने का विरोध' विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित पत्र में स्टालिन ने कहा कि 'गूगल ट्रांसलेट', 'चौट (जीपीटी)' और कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी तकनीक लोगों को संबंधी समस्याओं से निपटने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के लिए केवल आवश्यक तकनीक सीखना फायदेमंद होगा। किसी को थोपना उन पर केवल बोझ होगा। द्रमुक प्रमुख ने कहा कि गांधीजी का मानना घ्था कि दक्षिणी राज्यों के लोग हिंदी सीखें और उत्तरी राज्यों के लोग दक्षिणी भाषाओं में से एक सीखें, जिससे राष्ट्रीय एकता का मार्ग प्रशस्त होगा और राष्ट्रपिता की इच्छा को पूरा करने के लिए दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की गई थी। स्टालिन ने कहा, ''गांधी जी ने खुद चेन्नई में सभा के मुख्यालय में कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था और वर्तमान में ये सभा छह हजार केंद्रों के साथ दक्षिणी राज्यों में काम कर रही है।'' इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर पूछा कि क्या उत्तर भारत में 'उत्तर भारत तमिल प्रचार सभा या द्रविड़ सभा' जैसा कोई संगठन स्थापित किया गया है, ताकि उत्तरी राज्यों के लोगों को दक्षिणी राज्यों की भाषाओं में से किसी एक को सीखने में सुविधा हो? मुख्यमंत्री ने भाजपा का नाम लिए बिना उस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जिन लोगों ने गंगा नदी के तट पर संत कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा स्थापित करने का दावा किया था, उन्होंने उसे कूड़े के ढेर में फेंक दिया। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या ऐसे लोग तमिल का प्रचार करने के लिए कोई संस्था स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि 'जो लोग गोडसे के मार्ग पर चलते हैं, वे गांधी के उद्देश्यों को कभी पूरा नहीं कर पाएंगे।' दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, जिसे 1964 में संसद द्वारा राष्ट्रीय महत्व की संस्था घोषित किया गया था, की स्थापना 1918 में महात्मा गांधी ने दक्षिणी राज्यों में हिंदी का प्रचार करने के उद्देश्य से की थी और इसके पहले प्रचारक उनके पुत्र देवदास गांधी थे।

छात्रों के निलंबन पर रोक, दिल्ली हाईकोर्ट ने विश्वविद्यालय प्रशासन को दिए ये निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जामिया मिलिया इस्लामिया के कई छात्रों के निलंबन पर रोक लगा दी है जो बिना पूर्व अनुमति के परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। अदालत ने चर्चा में छात्र प्रतिनिधियों को शामिल करने के महत्व पर जोर देते हुए विश्वविद्यालय समिति के अधिकारियों को कुलपति की देखरेख में मुद्दे को संबोधित करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने विश्वविद्यालय को मामले पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। यह निर्णय जामिया के चार छात्रों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के बाद आया है, जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालय प्रॉक्टर के उन्हें निलंबित करने और परिसर में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के आदेश को चुनौती दी थी। छात्रों के वकील ने अदालत के समक्ष कहा कि वे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। जामिया का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील अमित साहनी और किसली मिश्रा ने तर्क दिया कि छात्रों ने विरोध प्रदर्शन करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन से अनुमति नहीं ली थी। प्रशासन ने यह भी दावा किया कि प्रदर्शनकारियों ने परिसर की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। वकील ने कहा कि छात्र कैंटीन के बाहर सो रहे थे, जिसकी अनुमति नहीं थी।

आंतरिक और बाहरी सुरक्षा से निपटने वाली सुरक्षा एजेन्सियों के बीच परस्पर सहयोग जरूरी : राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि सुरक्षा से संबंधित मौजूदा जटिल परिदृश्य की चुनौतियों को देखते हुए आंतरिक और बाहरी सुरक्षा से निपटने वाली सुरक्षा एजेन्सियों के बीच परस्पर सहयोग और तालमेल बेहद जरूरी है। श्री सिंह ने मंगलवार को यहां आंतरिक सुरक्षा के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी पर गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा , "आंतरिक सुरक्षा और बाह्य सुरक्षा दोनों अलग–अलग नहीं है। इन दोनों को अलग–अलग करके, नहीं देखा जा सकता है। ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।"

उन्होंने कहा कि जरूरी यह है कि आंतरिक और बाह्य चुनौतियों के बदलते स्वरूप को देखते हुए हम सुरक्षा नीतियों को भी उसी प्रकार से ढालें। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि उपलब्ध संसाधनों का अधिक से अधिक इस्तेमाल किया जाये और संस्थाएं अकेले नहीं बल्कि एक दूसरे के साथ सहयोग के दृष्टिकोण से काम करें। उन्होंने कहा कि अभी हाइब्रिड वारफेयर, साइबर और अंतरिक्ष आधारित चुनौतियों जैसे गैर पारंपरिक खतरे सामने आ रहे हैं और इनके कारण सुरक्षा संबंधी परिदृश्य इतना जटिल हो गया है कि इससे निपटने के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), केन्द्रीय पुलिस बलों और अन्य संस्थाओं के बीच सहयोग जरूरी बन गया है। सुरक्षा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के विकास के शांति और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में इस्तेमाल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आपदाओं के समय इससे जान माल की भी रक्षा की जा सकती है। उन्होंने कहा , "आज, समूचे विश्व में, प्राकृतिक आपदाओं का प्रकोप देखा जा रहा है। भारत भी इनसे अछूता नहीं है। चक्रवात, हिमस्खलन , भूकंप, बाढ और बादल फटने की आपदाएँ, हमारे देश में भी देखी जा रही हैं।"

महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री धनंजय मुंडे ने दिया इस्तीफा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री धनंजय मुंडे ने बीड सरपंच हत्या मामले को लेकर जारी विवाद के बीच मंगलवार को मंत्रिपद से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा , "मुंडे ने मुझे अपना इस्तीफा सौंप दिया है। मैंने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और अग्रिम कार्रवाई के लिए राज्यपाल को भेज दिया है।" राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी–अजित पवार (राकांपा–एपी) नेता श्री मुंडे ने आखिरकार तब अपना अपने पद से इस्तीफा दे दिया, जब उनके करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड को बीड सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले में आरोपी बनाया गया। मामले में श्री कराड का नाम सामने आने के बाद से विपक्षी गठबंधन के नेता श्री मुंडे के इस्तीफे की लगातार मांग कर रहे थे।

सूचना का अधिकार कानून को कमजोर कर रही है मोदी सरकार : खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार पर डेटा संरक्षण कानून के नाम पर सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि उन लोगों के नाम सार्वजनिक किये जाने चाहिए जिन्होंने राशन कॉर्ड, मनरेगा तथा जन–कल्याण की योजनाओं में घोटाला किया है और सरकारी बैंकों से ऋण लेकर विदेश भागे हैं। श्री खरगे ने कहा, "एक तरफ़ गलत सूचना और भरमाने वाली सूचना देने में भारत पिछले वर्षों से शीर्ष स्थान पर आ रहा है, दूसरी तरफ़ मोदी सरकार

पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार द्वारा लागू किए गए सूचना के अधिकार आरटीआई को डेटा संरक्षण क़ानून लाकर कमज़ोर करने पर तुली हुई है। चाहे सार्वजनिक क्षेत्र की जानकारी जैसे राशन कॉर्ड की सूची, मनरेगा के लाभार्थी मज़दूर, जन–कल्याण की योजनाओं में शामिल लोगों के नाम, चुनाव में वोटर लिस्ट या फ़िर सरकारी बैंकों से लोन लेकर विदेश भागने वाले घोटालेबाज़ अरबपतियों के नामकृइन सबके नाम जनता के लिए सार्वजनिक रूप में सामने होना ज़रूरी है। पर अब मोदी सरकार डेटा संरक्षण के नाम पर आररटीआई को कमज़ोर कर रही है, जिससे ऐसे नाम अब सार्वजनिक नहीं हो पाएंगे। निजता का अधिकार एक मूलभूत अधिकार है और कांग्रेस ने उसके लिए लड़ाई लड़ी है, पर जहाँ सार्वजनिक कल्याण की बात आती है सूचना का अधिकार ज़रूरी है।" उन्होंने कहा, "कांग्रेस की आरटीआई में भी निजता के अधिकार का ध्यान रखा गया था, पर इसका मतलब ये नहीं कि लाभार्थी की सूची या घोटालेबाज़ों के नाम सार्वजनिक ना किए जाएँ।

वेंडिंग जोन का पता नहीं, फुटपाथ से भगा रहे, कहां लगाएं दुकान

प्रयागराज। श्जाएं तो जाएं कहां, समझेगा कौन यहां, दर्द भरे दिल की जुबां।श 1954 में रिलीज हुई टैक्सी ड्राइवर फिल्म का यह गाना बहुत हिट हुआ था। शहर के पटरी दुकानदारों की जिंदगी भी इस गाने की तरह हो गई है। रोड किनारे से लगातार हटाए जा रहे पटरी दुकानदार अब यही कह रहे हैं, जाएं तो जाएं कहां। केंद्र सरकार देशभर के पटरी दुकानदारों का जीवन और कारोबार सुधारने के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत ऋण दे रही है। दुकानदारों को किस्तों में ऋण वापस भी करना है। दुकानदार दुकानें नहीं लगा पा रहे हैं। जब दुकान नहीं लगेगी और कमाई नहीं होगी तो बैंकों का कर्ज वापस कैसे करेंगे। परिवार का पेट कैसे पालेंगे।

नवाब यूसुफ रोड स्थित फूड वेंडिंग जोन में दुकानदारों ने आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान को बताया कि जब पूरा देश कोरोना की चपेट में आया और लॉकडाउन लग गया, तब पटरी दुकानदारों को सबसे अधिक झटका लगा था। दुकानदारों के परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गए। उसी समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पटरी दुकानदारों का दर्द समझते हुए पीएम स्वनिधि के तहत 10–10 हजार रुपये ऋण देने की घोषणा की। ऋण की मदद से दुकानदार दोबारा अपना काम शुरू कर सके। इसी दौरान पटरी दुकानदारों को व्यवस्थित करने के लिए शहर में वेंडिंग जोन बनाने की कवायद भी तेज हो गई।

दुकानदारों का कहना है कि पांच साल हो गए नगर निगम–डूडा मिलकर सिर्फ 15 वेंडिंग जोन बना सके। ये वेंडिंग जोन भी व्यवस्थित नहीं हैं। कई वेंडिंग जोन खाली पड़े हैं। एक वेंडिंग जोन में तो एक भी दुकान का आवंटन नहीं हुआ। बैंकों से कर्ज लेकर मानो फंस गए हैं। दुकानें ही नहीं लगा पा रहे हैं तो बैंकों का कर्ज कैसे वापस करेंगे। सरकार ने कई गाइडलाइन बनाई। पूर्व मुख्य सचिव ने पटरी दुकानदारों को राहत देने के लिए नगर निकायों को आदेश दिया। संसदीय कमेटी ने कई सुझाव दिए। लेकिन सरकारी एजेंसियां किसी गाइडलाइन या आदेश का पालन नहीं कर रही है। कभी वीआईपी के आगमन तो कभी यातायात में अवरोध का नाम लेकर उजाड़ दिया जाता है। अब दुकानदारों को बसाने नहीं, उजाड़ने का अभियान शुरू हो गया है।

महाकुम्भ में भी व्यापार रहा मंदा

पटरी दुकानदारों ने सोचा था कि महाकुम्भ में करोड़ों श्रद्धालु आएंगे तो अच्छी कमाई होगी, लेकिन यह सपना ही रह गया। महाकुम्भ के पहले रोड किनारे से दुकानें हटा दी गईं। सिविल लाइंस क्षेत्र, संगम को जोड़ने वाली सभी सड़कों और राजमार्गों के किनारे से दुकानें हटा दी गईं। प्रमुख स्नान पर्वों पर दुकानों को बंद करा दिया गया। फाफामऊ क्षेत्र में 100 से अधिक दुकानें लगती थीं, वहां पार्किंग बन गई। महर्षि दयानंद मार्ग पर दुकानों को हटाकर हरित पट्टी बना दी गई। जहां दुकानें लगीं, वहां श्रद्धालुओं का आवागमन नहीं हो सका। दुकानदार कहते हैं कि महाकुम्भ में बाहर से लोग आए और कमाई कर के गए। यहां के दुकानदार ग्राहकों का इंतजार करते रहे। उम्मीद थी कि महाकुम्भ के बाद दुकानें लगा सकेंगे, लेकिन फिर अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू हो गया। अब तो वेंडिंग जोन को छोड़कर सभी मार्गों के किनारे दुकानों को अवैध मान लिया गया है। जबकि सभी ने पीएम स्वनिधि के तहत बैंकों से कर्ज लिया है।

दुकानदार 50 हजार और वेंडिंग जोन सिर्फ 15

शहर में पटरी दुकानदारों की संख्या लगभग 50 हजार है। सभी दुकानों को वेंडिंग जोन में बसाया जाना चाहिए। दुकानों को बसाने के लिए नगर निगम ने एक कंसलटेंट की मदद ली। कंसलटेंट की योजना पर अमल नहीं हुआ। नगर निगम–डूडा अपने अनुसार वेंडिंग जोन बसाते रहे। दोनों ने मिलकर 15 वेंडिंग जोन बनाए जो ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। वेंडिंग जोन में अधिकतम दो हजार दुकानें ही बसाई जा सकती हैं। आवंटन भी सही तरीके से नहीं हो रहा है। कई वेंडिंग जोन में अवैध रूप से कब्जा हो रहा है।

जब्त किया ठेला समेत सामान गायब

महाकुम्भ के पहले नगर निगम की ओर से चलाए गए अभियान में कई दुकानदारों के ठेले और सामान जब्त किए गए। नियमानुसार जुर्माना लेकर सामान या ठेला छोड़ दिया जाता है, लेकिन कई दुकानदारों का ठेला और सामान गायब हो गया। आजाद पार्क के सामने ठेला लगाने वाली मैरी कहती हैं कि टीम ने उनका ठेला और सामान जब्त किया जो कई दिन तक नगर निगम में पड़ा रहा। कुछ दिन बाद सब गायब हो गया। मैरी की तरह कई दुकानदारों के ठेले और बिक्री के सामान गायब हो गए हैं।

दुकानदारों को दुकानें आवंटित की गई हैं। लेकिन अधिकतर खुली ही नहीं। लाइट और पानी की व्यवस्था नहीं होने से दुकानदारों को बहुत परेशानी होती है। फुटपाथ किनारे जाली लगने से ग्राहक भी नहीं आते है। –राजू चौधरी, दुकानदार, बीएसएनएल वेंडिंग जोन

27 साल से लगातार दुकान लगा रहे हैं। मूल दुकानदारों को वेंडिंग जोन में जगह नहीं मिली। 48 दुकानों का ढांचा तैयार है, लेकिन सिर्फ 30 लोगों को दुकान मिल पाई है। उनमें भी पांच लोग ही दुकान खोलते हैं। –सुभाष जायसवाल, दुकानदार, बीएसएनएल वेंडिंग जोन

दुकानदारों को कोई सुविधा नहीं मिल पा रही है। वेंडिंग जोन की समस्या के लिए नगर निगम के अधिकारियों को शिकायती पत्र के जरिए अवगत कराया गया। वेंडिंग जोन पर टैंपो और ऑटो के खड़े होने से बहुत समस्या होती है। –अरविंद यादव, अध्यक्ष, बीएसएनएल वेंडिंग जोन

कई साल से फुटपाथ पर दुकान चलाकर परिवार का भरण–पोषण कर रहे हैं। आज तक दुकानदारों की मूलभूत सुविधाओं को पूरा नहीं किया गया। वेंडिंग जोन में दुकानें तैयार कर के दुकानदारों को आवंटित किया जाए। –रंजीत कुमार, उपाध्यक्ष, बीएसएनएल वेंडिंग जोन

नगर निगम के कर्मचारी आए दिन दुकान उठा कर ले जाते हैं। सरकार से 50 हजार का लोन भी ले रखा है। जब दुकान ही नहीं चलेगी तो लोन कैसे भर पाएंगे। परिवार का भरण–पोषण कैसे हो सकेगा। –अमित कुमार सोनकर, सिविल लाइंस बस अड्डा

पांच साल से ठेले पर दुकान लगाकर परिवार चला रहे हैं। आए दिन नगर निगम के कर्मचारी ठेला उठा ले जाते हैं। दो बार चालान भी कट चुका है। वेंडिंग जोन में स्थायी दुकान मिल जाए तो परिवार चलाना बहुत सरल हो जाएगा। –आरिफ, बीएसएनएल वेंडिंग जोन

नगर निगम के कर्मचारी ठेला उठा ले गए और वहां से ठेला चोरी भी हो गया। दुकान चलाने के लिए 20 हजार का लोन भी ले रखा है। दो महीने से दुकान लग नहीं पा रही है। इससे बहुत परेशानियां हो रही हैं। परिवार कैसे चले। –मैरी, आजाद पार्क जोन

वेंडिंग जोन में दुकान बनवाने के लिए कितना बजट आता है किसी को कुछ नहीं पता है। नगर निगम का भय ना बना रहे, इसके लिए पटरी फुटपाथ के दुकानदारों को स्थायी दुकानें मिलनी चाहिए। –मो. नसीम, कटरा, टीवीसी सदस्य नगर निगम जोन

दिसंबर से ही दुकान बंद पड़ी है। एक सप्ताह पहले दुकान खोली तो नगर निगम के कर्मचारियों ने आकर फिर से बंद करवा दी। बगैर दुकान के परिवार कैसे चलाए, कोई रोजगार भी उपलब्ध नहीं है। बहुत समस्या हो रही है। अनुपम, जीपीओ पटरी दुकानदार

फुटपाथ पर दुकान चलाकर चार बच्चों का पालन–पोषण कर रहे हैं। पैर से दिव्यांग हैं, कोई और काम भी नहीं कर पाते हैं। आए दिन नगर निगम के कर्मचारी दुकान इधर–उधर करवाते रहते हैं। –राजू सोनी, सब्जी मंडी, छोटा बघाड़ा।

ठेले पर चाय की दुकान लगाते थे। मेला के दो महीने पहले से ही नगर निगम ने दुकान हटा दिया। अब भी दुकान नहीं लगाने दिया जा रहा है। बच्चों की पढ़ाई का खर्च कमरे का किराया भी नहीं भर पा रहे हैं। –रमेश कुमार, छोटा बघाड़ा, सब्जी मंडी

वेंडिंग जोन में दुकान आवंटित हो गई है। पानी और लाइट की व्यवस्था नहीं होने से बहुत सन्नाटा रहता है। फुटपाथ रेलिंग लगे होने से ग्राहक भी नहीं आते हैं। कर्ज लेकर दुकान चला रहे हैं, कैसे भरेंगे। कुछ समझ में नहीं आ रहा है। –बृजेश कुमार, बीएसएनएल वेंडिंग जोन

महाकुम्भ के दौरान दुकानें हटवा दी गईं। वादा किया था कि वेंडिंग जोन बनाएंगे, लेकिन रेलिंग लगाकर फुटपाथ की जगह को बंद करवा दिया गया है। 27 फरवरी को दुकान लगाई तो नगर निगम के कर्मचारी हटवा दिए। सतीश केसरवानी , जीपीओ,पटरी दुकानदार

- पता नहीं कहां दुकान लगाएं कहां नहीं।
- व्यापार नहीं होने से कर्ज वापसी में परेशानी।
- वेंडिंग जोन में बुनियादी सुविधा नहीं।
- चार किलोवाट का बिजली कनेक्शन लेने का दबाव।
- जब्त सामान वापस मिलने की गारंटी नहीं।
- पटरी दुकानों की अनुपात में बनाएं वेंडिंग जोन।
- दुकानों को वेंडिंग जोन में व्यवस्थित किया जाए।
- वेंडिंग जोन में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराएं।
- नए वेंडिंग जोन बनने तक दुकानें लगाने की छूट।
- उजाड़े गए दुकानदारों को फिर से बसाया जाए।
- शहर में पटरी दुकानदार रू लगभग 50 हजार
- वेंडिंग जोन में जगह रू 2000 से कम
- पीएम स्वनिधि से लिया कर्ज रू 36 हजार से अधिक

आए दिन नगर निगम का अभियान चलता रहता है। जिससे फुटपाथ के दुकानदार हमेशा भयभीत रहते हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से लोन ले रखा है। जब दुकान ही नहीं चलेगी तो लोन कहां से भर पाएंगे। कमलेश्वर, अल्लापुर

दो महीने से दुकान बंद है। खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। नगर निगम के कर्मचारी बहुत परेशान करते हैं। दो सौ कमाएं तो पांच सौ का चालान कैसे भर पाएंगे। बार–बार हटाए जाने से दुकानदारी नहीं हो पा रही। –मो. नईम खान, जीपीओ फुटपाथ दुकानदार

कुछ दिन दुकान लगती है, फिर नहीं लग पाती। सुबह पांच बजे से दुकान लगाते हैं। नगर निगम का दुकान हटाने का हमेशा भय बना रहता है। स्थानीय लोग भी दुकान लगाने नहीं देते। बगैर दुकान के परिवार कैसे चलेगा। –धर्मेन्द्र सिंह, आजाद पार्क गेट नं 2

पिछले साल नवंबर से ही दुकान बंद पड़ी है। शिवरात्रि के बाद दुकान लगाई थी, लेकिन नगर निगम के कर्मचारी दुकान लगने नहीं दिए। बगैर दुकान कैसे घर का खर्च चलाएं। –अनूप सिंह, जीपीओ, दुकानदार

लाइट कई दिनों से खराब है। शाम होते ही अंधेरा हो जाता है। जिससे ग्राहकों की आवाजाही कम हो जाती है। वेंडिंग जोन पर दुकानदारों को पानी के लिए भी बहुत मुश्किलें होती है। फुटपाथ पर रेलिंग लगे होने से बहुत समस्या है। –शन्नो देवी, बीएसएनएल वेंडिंग जोन

पथ विक्रेता कानून 2024, को पूर्णतया लागू करके अधिनियम में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए नो वेंडिंग जोन का बोर्ड लगाने वाला नगर निगम पहले वेडिंग जोन बनाकर उसमें पथ विक्रेताओं को स्थान दे। कानून की धारा 3ध्3 के अनुसार जब तक पथ विक्रेताओं का सर्वे सत्यापन और वेडिंग जाने का चिह्नांकन नहीं हो जाता, उनके मूल स्थान पर कार्य करने दिया जाए। –रवि शंकर द्विवेदी, टीवीसी कमेटी सदस्य नगर निगम

पटरी दुकानदारों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वेंडिंग जोन बनाने के लिए शहर में जमीन सीमित है। फिर भी पटरी दुकानदारों को वेंडिंग जोन में बसाने की कोशिश हो रही है। महाकुम्भ समापन के बाद अब वेंडिंग जोन के लिए जमीन खोजी जाएगी।––अरविंद राय, अपर नगर आयुक्त नगर निगम

सेवानिवृत्त सहायक पर्यवेक्षक को दी विदाई

प्रयागराज। सेवानिवृत्त सहायक पर्यवेक्षक और एजीयूपी सहकारी समिति के पूर्व कल्याण मंत्री, सचिव प्रदीप कुमार यादव को एजी ब्रदरहूड की ओर से विदाई दी गई। गवर्नमेंट प्रेस के सभागार में रविवार को आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने प्रदीप कुमार यादव को स्मृति चिह्न भेंट किया। समारोह में शिव कुमार पाठक, सुभाष चंद्र पांडेय, हरिशंकर तिवारी, दिनेश कुमार पांडेय, आयशा राणा, गीता सिंह, रामसुमेर, ध्रुव नारायण, घनश्याम यादव, बीके पांडेय, बशीर अहमद, केके पांडेय, नन्हू लाल पांडेय, गौतम त्रिपाठी, मनोज श्रीवास्तव, दिलीप श्रीवास्तव, शशिभूषण पांडेय, शिवाकांत, संजय ओझा, ओमप्रकाश पाल, अरविंद पाल, राकेश यादव, राजेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की कार्यकारिणी गठित

प्रयागराज। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की प्रयागराज शाखा के पदाधिकारियों का चुनाव हुआ। जिसमें चार वर्षीय कार्यकाल के लिए सुशील कुमार शुक्ल अध्यक्ष व अभिनय कोहली सचिव चुने गए हैं। उपाध्यक्ष शुभम अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शैंकी केसरा, छात्रसंघ अध्यक्ष अताउर रहमान व सदस्य रोहन को बनाया गया है। नई कार्यकारिणी के सदस्यों ने अपने दायित्वों को पूर्ण निष्ठा व समर्पण के साथ निभाने का संकल्प लिया। पूर्व अध्यक्ष गौरव मिश्र व सचिव राजेश कुमार पांडेय ने नई कार्यकारिणी के गठन पर सभी पदाधिकारियों को बधाई दी है।

गंगा किनारे मोहल्लों में साइकिल से फॉगिंग

प्रयागराज। महाकुम्भ के बाद गंगा किनारे मोहल्लों को मच्छर जनित बीमारियों से बचाने के लिए नगर निगम ने साइकिल से फॉगिंग शुरू की है। साइकिल माउंटेड मशीन लेकर नगर निगम के

कर्मचारी गंगा किनारे मोहल्लों में फॉगिंग करने जा रहे हैं। दारागंज घाट, बाघंबरी हाउसिंग स्कीम, आलोपीबाग, मधवापुर, नागवासुकी रोड, बख्शीखुर्द, पूरा पड़ाइन, भारद्वाजपुरम में साइकिल माउंटेड मशीन से फॉगिंग कराई जा रही है। बड़ी गाड़ियों के गलियों में नहीं जा पाने के कारण नगर निगम ने साइकिल माउंटेड मशीन का सहारा लिया गया। महाकुम्भ समाप्त होने के बाद गंगा किनारे मोहल्लों में मच्छर जनित बीमारी का खतरा सबसे अधिक है। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने सोमवार शाम इस अभियान का उद्घाटन करने के दौरान सुबह और शाम फॉगिंग का निर्देश दिया था। फॉगिंग के साथ एंटी लार्वा का छिड़काव भी कराया जा रहा है।

सुविधा लेकर 660 फरार, अब रद्द होगा संस्था का कोड

प्रयागराज। महाकुम्भ मेला बसने के पहले तमाम संस्थाओं ने मेला प्राधिकरण कार्यालय के चक्कर काटकर अपनी संस्था का कोड बनवाया और यहां पर जमीन व सुविधाएं अपने नाम दर्ज कराई। लेकिन मेला शुरू होने के बाद यह संस्थाएं गैर आबाद रहीं। इनके वो काम नहीं हुए, जिसके लिए जमीन और सुविधा ली गई थी। प्राथमिक चरण के सत्यापन में ऐसी 660 संस्थाएं सामने आ चुकी हैं, जिन्हें नोटिस देकर उनका संस्था कोड रद्द करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। महाकुम्भ में इस बार लगभग 10 हजार संस्थाओं को सुविधाएं दी गई थीं। इसमें से साढ़े तीन हजार से अधिक संस्थाएं नयी थीं, जिन्हें नवंबर व दिसंबर में पुरानी संस्थाओं को जमीन व सुविधा देने के बाद बुलाया गया और प्रदेश सरकार के निर्देश पर सभी संस्थाओं को उनके उद्देश्य को जानने के बाद सुविधा दी गई। महाकुम्भ जब समाप्त होने की ओर बढ़ा तो 12 फरवरी माघी पूर्णिमा के बाद प्रशासन ने अपनी टीमों को सत्यापन के लिए लगाया। अब तक पहले चरण का सत्यापन हो चुका है। इसमें 660 संस्थाएं ऐसी मिलीं जो पूरी मेला अवधि में गैर आबाद थीं। यानी इनके यहां कोई कार्यक्रम नहीं हुआ। इन लोगों का संस्था कोड से पता निकाला जा रहा है और संस्था संचालकों को नोटिस देकर उनके कोड को रद्द करने की तैयारी शुरू हो गई है। भविष्य में इन लोगों को सुविधा नहीं दी जाएगी।

इस बार महाकुम्भ चार हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बसाया गया था। सभी की इच्छा थी कि उन्हें संगम मार्ग, अखाड़ा मार्ग, महावीर मार्ग के आसपास ही जमीन व सुविधाएं आवंटित हों, लेकिन यहां पर पूर्व में लगाई गई संस्थाओं को ही जमीन दी गई। नई संस्थाओं को विस्तारित क्षेत्र में जगह दी गई। यह बड़ा कारण रहा कि तमाम संस्थाएं यहां पर नहीं आईं। कर्मचारियों का कहना है कि दूर होने के कारण इन संस्थाओं के पास लोग नहीं आते हैं, ऐसे में एक महीने ये करेंगे क्या।

महाकुम्भ के बाद सत्यापन हो रहा है। 660 संस्थाएं ऐसी हैं जो गैर आबाद मिली हैं। इन सभी को नोटिस दिया जा रहा है। सभी का संस्था कोड रद्द किया जाएगा। इन्हें भविष्य में सुविधाएं नहीं दी जाएंगी।

विजय किरन आनंद, डीएम महाकुम्भ नगर

महाकुम्भ समापन के बाद भी शिविर में विदेशी, हुई शिकायत

प्रयागराज। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के बाद महाकुम्भ 2025 का समापन हो गया। इसकी पूर्णाहुति की घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 27 फरवरी को प्रयागराज आकर की। इसके बाद मेला क्षेत्र से शिविरों को हटाने का काम शुरू हो गया है। इस क्रम में जब लोग सेक्टर 18 संगम लोवर मार्ग पूर्वी पटरी पर लगे पायलट बाबा के शिविर पहुंचे तो वहां पांच विदेशी ठहरे हुए मिले। यह कब से यहां हैं और अब तक शिविर क्यों नहीं छोड़ा। इनका सत्यापन हुआ या नहीं इसकी जानकारी किसी को नहीं है। बताया जा रहा है कि इन विदेशियों ने सी फॉर्म भी नहीं भरा है, जिससे कि इनका सत्यापन हो सके। इस बारे में शिविर की व्यवस्था देख रहे अनिल सिंह ने बताया कि वह बाहर गए थे। आज ही प्रयागराज आए हैं। विदेशी पर्यटकों के ठहरने की जानकारी हुई है। हो सकता है कि कुछ तकनीकी कारण हो।

वजन बढ़ता जाएगा तो सेहत घटती जाएगी

प्रयागराज। बदलती जीवन शैली से मोटापा की समस्या भी बढ़ रही है। वजन बढ़ने का असर सेहत पर भी पड़ रहा है। हालांकि लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी जागरूक हैं,लेकिन मोटापा को घटाने के प्रति जागरूकता कम है। डॉक्टरों का कहना है कि हम रोज, जितनी कैलोरी भोजन के रूप में लेते हैं और शरीर जब उतना खर्च नहीं कर पाता तो अतिरिक्त कैलोरी वसा के रूप में जमा होने लगती है, जो मोटापे का कारण बनता है। मोटापा धीरे–धीरे दिनचर्या को खराब करने लगता है। वजन बढ़ने के साथ सेहत घटने लगती है। मोटापा के कारण टाइप टू डायबिटीज, हृदय रोग, बीपी, फैटी लिवर, जोड़ों में दर्द, सांस लेने में तकलीफ आदि बीमारियां बढ़ने लगती हैं। चिल्ड्रेन अस्पताल की बाल रोग विशेषज्ञ डॉध् मनीषा मौर्या के अनुसार मोटापा की समस्या बड़ों के साथ बच्चों में भी काफी बढ़ रही है। बचपन में ही यदि मोटापा को नियंत्रित कर लिया जाय तो बाद में परेशानी नहीं होती। डॉध् मनीषा के अनुसार बच्चों में मोटापा के बाहरी और आंतरिक कारण होते हैं। इसमें 90 से 95 फीसदी बाहरी और पांच से 10 फीसदी आंतरिक होते हैं।

विस्तारित क्षेत्र के 40 हजार मकान अब होंगे गृहकर के दायरे में

प्रयगराज। संगमनगरी के विस्तारित क्षेत्र के 40 हजार मकान अगले वित्तीय वर्ष से गृहकर के दायरे में होंगे। नगर निगम विस्तारित क्षेत्र के झूंसी, नैनी, फाफामऊ, झलवा, बमरौली क्षेत्र के चिह्नित मकानों को गृहकर का बिल भेजने की तैयारी कर रहा है। 40 हजार भवनस्वामियों को अप्रैल या मई से बिल भेजा जाएगा। गृहकर के दायरे में शामिल किए गए अधिकतर घर ग्रामीण क्षेत्र के हैं। नगर निगम ने अब जिन क्षेत्र या गांव के घरों को गृहकर के दायरे में शामिल करने की तैयारी की है, वहां शहर की तरह विकास नहीं हुआ है। नगर निगम ने पिछले साल ही 40 हजार मकानों को नोटिस भेजा और गृहकर की वसूली की तैयारी शुरू कर दी थी। नोटिस मिलने के बाद भवनस्वामियों ने उनका क्षेत्र पूर्ण विकसित नहीं होने का मुद्दा उठा दिया।

निर्माणाधीन सभी काम गुणवत्ता के साथ पूरा कराएं

प्रयागराज। मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार ने विकास भवन में सभी खंड विकास अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले की परियोजनाओं के बारे में व्यापक जानकारी दी। बैठक में परियोजना निदेशक जिला ग्राम विकास अभिकरण अशोक कुमार मौर्य, उपायुक्त, मनरेगा सहित तमाम अफसर मौजूद रहे। सीडीओ ने मनरेगा, प्रधानमंत्री और आवास योजना, मनरेगा, पंचायत भवन व सामुदायिक शौचालयों के निर्माण के बारे में जानकारी ली। साथ ही आईजीआरएस की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जो भी निर्माण कार्य हो रहे हैं, वो समय से पूरे कराए जाएं। साथ ही आईजीआरएस पर आई शिकायतों का गुणवत्ता पूर्वक तरीके निस्तारण हो। लापरवाही होने पर जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी।

तीन दिन के भीतर व्यवस्थाएं कराएं दुरुस्त

प्रयागराज। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने त्योहारों को देखते हुए अफसरों को तीन दिन में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए कहा है। उन्होंने निर्देश दिया कि आगामी सात मार्च तक शहर में जो भी काम हैं, उसे पूरा करा लिया जाए। जिससे लोगों को समस्या न हो। पीडीए, नगर निगम और लोक निर्माण विभाग को सड़कों को दुरुस्त करने के लिए कहा है। वहीं बिजली विभाग को तारों को ठीक करने और नगर निगम व पंचायती राज विभाग को स्वच्छता के लिए व्यापक अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी मजिस्ट्रेटों को सात मार्च को अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर, उनकी रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

बिना अग्निशमन अधिकारी के संचालित हो रहे अस्पताल

प्रयागराज। पिछले वर्ष नवंबर में झांसी मेडिकल कॉलेज में हुई भीषण अग्नि दुर्घटना में कई बच्चों की मौत हो गयी थी। इस तरह की अग्नि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेश सरकार की ओर से मेडिकल कॉलेज सहित जिले के सरकारी व निजी अस्पतालों में अग्निशमन अधिकारी की नियुक्ति करना जरूरी कर दिया था। अस्पताल के अलावा बड़ी–बड़ी इमारतों, होटलों व मिलों में भी तैनाती करने के निर्देश दिए थे। इसका मुख्य उद्देश्य था कि तैनात अग्निशमन अधिकारी अग्नि दुर्घटना होने पर अग्निशमन टीम के पहुंचने से पहले आग पर काबू पाने व लोगों को सुरक्षित निकाल सकें। लेकिन चार माह बीतने के बाद भी शहर के किसी सरकारी व निजी अस्पताल में अभी तक अग्निशमन अधिकारी की तैनाती नहीं हुई है।मंडल के सबसे बड़े एसआरएन अस्पताल, बेली, कॉल्विन, डफरिन, चिल्ड्रेन, टीबी, मनोहर दास नेत्र चिकित्सालय व मेडिकल कॉलेज में अग्निशमन अधिकारी की नियुक्ति नहीं हुई है।

सक्रिय ईमेल और मोबाइल दर्ज करें

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभ्यर्थियों को यह निर्देश दिया है कि वे दाखिले के लिए आवेदन करते समय एक सक्रिय ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर दर्ज करें, क्योंकि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की ओर से सभी आधिकारिक सूचनाएं ईमेल और एसएमएस के माध्यम से भेजी जाएंगी। आवेदन 22 मार्च तक लिए जाएंगे। अभ्यर्थियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे 23 मार्च की मध्यरात्रि 11रू50 बजे तक अपना आवेदन शुल्क भी जमा कर दें।

लोक अदालत के प्रचार प्रसार हेतु किया रैली का आयोजन

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से प्राप्त कैलेंडर के अनुसार डॉ अजय कुमार जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुजफ्फरनगर के कुशल निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुजफ्फरनगर की ओर से राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार प्रसार हेतु एक रैली का आयोजन किया

गया जिसका शुभारंभ मान्य जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुजफ्फरनगर के द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया रैली में लोक अदालत का प्रचार प्रसार हेतु वाहन एवं मोटरसाइकिल का प्रयोग किया यह रैली जनपद न्यायालय से होकर शहर के मुख्य मार्ग मालवीय चौक झांसी की रानी शिव चौक जिला परिषद मार्केट एवं कचहरी परिसर से होते हुए जनपद न्यायालय पर समाप्त हुई रैली में समस्त पी एल वी द्वारा प्रतिभाग किया गया श्री रितीश सचदेवा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुजफ्फरनगर द्वारा अवगत कराया गया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दिनांक 8 मार्च 2025 दिन द्वितीयशनिवार को दीवानी न्यायालय परिसर मुजफ्फरनगर व बाह्य न्यायालय बुढ़ाना ,ग्राम न्यायालय जानसठ ,ग्राम न्यायालय खतौली ,तथा कलेक्ट्रेट मुजफ्फरनगर में किया जाएगा जिसमें अपराधी के 138 एन आई एक्ट, बैंक रिकवरी, मोटर दुर्घटना, प्रतिकर याचिका, टेलीफोन, बिजली, एवं पानी के बिल, वैवाहिक वाद ,भूमि अधिग्रहण, राजस्व विवाद तथा सिविल वादों का निस्तारण किया जाएगा।

किराया लेने पर प्राइवेट बस के परिचालक को पीटा

भोपा। सभोपा–बेलड़ा मार्ग पर परिचालक द्वारा किराया लेने पर दो युवकों द्वारा परिचालक के साथ मारपीट की गयी पीड़ित ने थाने पर जाकर कार्रवाई की मांग पुलिस से की है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव बेलड़ा निवासी इददू ने बताया की वह प्राइवेट बस संख्या यू पी 12 ए टी 6366 पर परिचालक है।मंगलवार की दोपहर बस मुजफ्फरनगर से सीकरी के लिए चली थी।जब वह गंग नहर पटरी पर पहुंची और दो युवकों से किराना देने को कहा

तो उन्होंने किराया देने से इंकार किया और गाली गलौज पर मारपीट की। मारपीट मे इददू घायल हो गया। घटना के बाद ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर इकट्ठा हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी की।पीड़ित ने दो युवकों को नामजद करते हुए कार्रवाई की गुहार लगाई है। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया।

मंसूरपुर हाईवे पर सड़क हादसे में एक युवक की मौत, भाई घायल

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर में नेशनल हाईवे पर सड़क हादसे में गांव नावला निवासी किसान मोबीन की मौत हो गई, जबकि उसका चाचा का लड़का निजामुद्दीन घायल हो गया। नावला निवासी मोबीन मंगलवार सुबह गन्ने की बुग्गी लेकर अपने चचेरे भाई निजामुद्दीन के साथ मंसूरपुर शुगर मिल में गन्ने डालने के लिए जा रहा था। जब वह भगत जी स्वीट्स के निकट पहुंचे तो अज्ञात वाहन ने बुग्गी में टक्कर मार दी। हादसे में मोबीन की मौके पर मौत हो गई, जबकि उसका चचेरा भाई निजामुद्दीन घायल हो गया। जिसे मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

होली विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आगामी होली पर्व के पावन अवसर पर होली विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 01707 जबलपुर-आनंद विहार (ट.) साप्ताहिक होली विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 01707 जबलपुर-आनंद विहार (ट.)			गाड़ी सं. 01708 आनंद विहार (ट.)-जबलपुर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
शनि. व बुध.	20:20	जबलपुर	10:00	सोम. व शुक्र.
00:40	00:42	मानिकपुर	06:15	06:17
01:50	01:52	शंकरगढ़	04:50	04:52
04:35	04:40	प्रयागराज	03:35	03:40
06:10	06:12	फतेहपुर	01:40	01:42
07:30	07:35	गोविंदपुरी	23:53	23:55
09:00	09:02	इटावा	22:24	22:26
10:30	10:32	टूण्डला	21:28	21:30
11:30	11:32	अलीगढ़ जं.	20:23	20:25
16:45	रवि. व गुरु.	आनंद विहार (ट.)	रवि. व गुरु.	18:05

जबलपुर से गाड़ी सं. **01707** दिन शनिवार एवं बुधवार, दिनांक: 08.03.2025, 12.03.2025 एवं 15.03.2025

आनंद विहार (ट) से गाड़ी सं. **01708** दिन रविवार एवं गुरुवार दिनांक: 09.03.2025, 13.03.2025 एवं 16.03.2025

गाड़ी संरचना: सामान्य श्रेणी-02, स्लीपर श्रेणी-05 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-04, इकोनॉमी कोच-07, वाता. द्वितीय श्रेणी-02

गाड़ी सं. 07707 चर्लपल्ली-ह. निज़ामुद्दीन जं. होली विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 07707 चर्लपल्ली-ह. निज़ामुद्दीन जं.			गाड़ी सं. 07708 ह. निज़ामुद्दीन जं.-चर्लपल्ली	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	20:45	चर्लपल्ली	09:30	--
19:00	19:05	वी. लक्ष्मीबाई झाँसी	10:25	10:30
22:30	22:35	आगरा कैण्ट	06:15	06:20
01:30	--	हज़रत निज़ामुद्दीन जं.	--	03:15

चर्लपल्ली से गाड़ी सं. **07707** दिनांक: 06.03.25, 12.03.25 एवं 16.03.25

हज़रत निज़ामुद्दीन जं. से गाड़ी सं. **07708** दिनांक: 08.03.2025, 14.03.2025 एवं 18.03.2025

गाड़ी संरचना: द्वितीय वाता. श्रेणी-01, वाता. तृतीय श्रेणी-08, स्लीपर श्रेणी-09, सामान्य श्रेणी-02

नोट: रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 412/25 FA

केन्द्र व राज्य सरकार की ओर संचालित योजनाओं की जानकारी हेतु कैम्प लगाये जाये–मा0 सदस्य

समाज कल्याण विभाग कल्याणकारी योजनाओ के संबंध में कैम्प के माध्यम दी जाए जानकारी – मा0 सदस्य

मुजफफरनगर। सदस्य राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार डॉक्टर सुषमा गौडियाल. ने आज विकास भवन सभागार में सभी संबंधित अधिकारियों व सफाई कर्मियों के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक में समीक्षा करते हुए कहा कि सभी निकायों में सफाई कर्मियों के लिए जो लाभकारी व कल्याणकारी योजनायें संचालित है,समाज कल्याण वित्त निगम द्वारा भी संचालित योजनाएं। है उन सभी योजनाओं का प्रचार प्रसार करायें ताकि सफाई कर्मियों तथा पात्र लोगों को इसका लाभ प्राप्त हो सके। माननीय सदस्य महोदया ने कहा की सफाई कर्मचारी समाज का एक अभिन्न अंग है पूरा समाज पूरा क्षेत्र पूरा देश उसे पर निर्भर रहता है उसके कंधों पर पूरे देश का भार है लेकिन उसके बावजूद वह बहुत कमजोर व्यक्ति माना गया है हम शिक्षित वर्ग हैं और शिक्षित वर्ग को उन बेसहारा बिरकुल ऐसा लगता है उसका कोई है ही नहीं शिक्षित वर्ग को का दायित्व होना चाहिए आप लोगों के माध्यम से उन लोगों की समस्याओं का समाधान हो। माननीय सदस्य महोदया ने कहा कि सफाई कर्मचारी समाज का एक अभीअंग है पूरा समाज पूरा क्षेत्र, पूरा देश उस पर निर्भर रहता है, उसके कंधों पर पूरे देश का भार है लेकिन उसके बावजूद बह बहुत कमजोर व्यक्ति माना गया है, हम शिक्षित वर्ग हैं और शिक्षित वर्ग को उन बेसहाराओ बिल्कुल ऐसा लगता है,उनका कोई है ही नहीं शिक्षित वर्ग का दायित्व होना चाहिए कि आप लोगों के माध्यम से उन लोगों की समस्याओं का समाधान हो। मा0 सदस्या ने कहा कि नगर पालिका सहित सभी निकाय नियमित सफाई कर्मियों व संविदा पर तैनात कर्मियों को नियमानुसार अवकाश एवं सफाई कर्मियों की बस्तियों में नियमित हैल्थ कैम्प लगवाये जाये। उन्होने निर्देश दिये कि सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य का परीक्षण समय समय पर करायें तथा निशुल्क दवाईयां उपलब्ध कराई जायें। उन्होने कहा कि सफाई कर्मचारियों की बस्ती में भी स्वच्छता अभियान चलाया जाये। उन्होने निर्देश दिये कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी के लिए नियमित शिविरध्कैम्प लगाये जाये, ताकि सफाई कर्मियों तथा पात्र आम जनमानस को योजनाओं की जानकारी मिल सके। उन्होने निर्देश दिये कि सफाई कर्मियो को सुरक्षा के आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाये तथा समय से उनको मानदेय दिया जाए।

उन्होने ई0ओ0 नगर पालिका मुजफ्फरनगर एवं समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका तथा जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी सफाई कर्मियों को नियमानुसार समय से मानदेय दिया जाए तथा उनको यूनिफॉर्म, सफाई उकरण आदि नियमानुसार उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिकाओं सहित सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए सफाई कर्मियों की समस्याओं के निस्तारण हेतु हर एक माह में एक सामूहिक रूप बैठक कराते हुए उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाए, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता ना बरती जाए । उन्होंने सभी बैंकों को निर्देश दिए कि बैंकों में जो योजना संचालित है उन योजनाओं का लाभ सफाई कर्मियों को दिलाते हुए उन्हें लाभांवित कराया जाए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए महिला सफाई कर्मियों को हर माह दो बार हेल्थ कैंप लगाकर, उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं दी जाए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिकाओं सहित सभी संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए जो सफाई कर्मी सेवानिवृत हो गए या किसी की मृत्यु हो गई उनके जो भी देय भुगतान है, उनका नियमानुसार शीघ्र भुगतान किया जाए, इसमें किसी प्रकार की शीथीलता ना बरती जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संदीप भागिया,अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री नरेंद्र बहादुर सिंह, एस पी क्राइम प्रशांत कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी विनीत मलिक, डी सी मनरेगा श्री प्रमोद यादव, मदेसर से अधिकारी नगर पालिका श्रीमती प्रज्ञया सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगणों के साथ सफाई कर्मचारी संघों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

गांव बहुपुरा में जलभराव से नागरिक हुए हलकान, किया प्रदर्शन

मोरना। गांव बहुपुरा में विकास के दावे धडाम नजर आते हैं। गांव की गलियों में हो रहे जलभराव से ग्रामीण त्रस्त हैं। लगातार शिकायत के बावजूद भी प्रशासन कोई सुध लेने को तैयार नहीं है। मंगलवार को ग्रामीणों ने प्रशासन के विरूद्ध नारेबाजी कर प्रदर्शन किया तथा ग्राम प्रधान व प्रशासन पर भेदभाव करने के गम्भीर आरोप लगाए हैं और प्रदेश के मुख्यमंत्री से गांव में जलभराव की समस्या से मुक्ति दिलाने की गुहार लगाई है।

मोरना विकास खण्ड के गांव शुक्रतारी के मजरे बहुपुरा में अनेक मार्गों पर भारी जलभराव की स्थिति बनी हुई है। जलभराव के कारण जहां भारी दुर्गन्ध फैली हुई है। वहीं संक्रामक बीमारियां भी फैल रही हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे गंदे पानी से होकर गुजर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार पिछले आठ वर्षों से वह जलभराव की समस्या से त्रस्त हैं। जलभराव की समस्या को ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव व बीडीओ व जिलाधिकारी को अवगत कराया जा चुका है किन्तु कोई स्थाई समाधान आज तक नहीं हो सका है। गांव के अनेकों बुजुर्ग व महिलाएं पानी में गिरकर घायल हो चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि जलभराव के कारण गांव में रिश्तेदार भी आने बंद हो गये हैं तथा कई बार गंदे पानी से निकलकर सांप उनके घरों में घुस जाते हैं। प्रशासन इस ओर कोई सुध नहीं ले रहा है। ग्रामीणों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से समस्या के समाधान की गुहार लगाई है। प्रदर्शन करनेवालों में सुशान्त, संदीप, अनिल, विदेश, राजकुमार, सीमा, नितिन, टीना, कार्तिक, सविता, सुनीता, सुशील, राजेश, किशन, राकेश, आकाश, रतनपाल, हरपाल, सचिन, अंकुश, रामअवतार, हरिप्रकाश, नोनू, बबलू, नरेश, अवनीश, अभिषेक आदि रहे।

सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कालेज प्रयागराज के राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय विशेष शिविर का शुभारम्भ कालेज के सम्मानित प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे के निर्देशन में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम में इलाहाबाद विश्विद्यालय के गाँधीयन थाट्स एण्ड पीस स्टडीज विभाग के प्रोफेसर अविनाश कुमार श्रीवास्तव के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के बालक वर्ग के सभी स्वयं सेवक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन, कार्यक्रम अधिकारी डॉ राम चिरंजीव ने किये, प्रोफेसर अविनाश सर ने अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों को बताया कि सच्ची सेवा और कठीन परिश्रम से मानव अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक महाकुम्भ 2025 में श्रृद्धालुओं की मदद किया और अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया यह काबिले तारिफ है। प्रोफेसर सर ने कहा कि सभी बच्चे नव युवक है इस समय इनकी यादगार शक्ति बहुत तेज होती है बच्चे अपनी मेहनत के बल पर अच्छे मुकाम पर पहुंच सकते हैं उन्होंने बच्चों को साफ सफाई सुरक्षा वृक्षारोपण आदि पर विशेष बल देने के लिए बताया कहा कि आज के समय पेड़ पौधें की कटाई होने के कारण आक्सिजन की कमी हो जाती है और मनुष्य अपने जीवन को समाप्त कर लेता है। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि हर स्वयं सेवक एक पेड़ जरूर लगाये और दूसरों को भी लगाने के लिए जागरूक करें। इसी प्रकार भौतिकी विभाग के डॉ० हरि प्रताप भाष्कर ने विज्ञान प्रौद्योगीकी और नैनो कण पर अपने विचार व्यक्त किये उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में नैनो कण के द्वारा विज्ञान अपने मुकाम को हासिल कर रही है नैनो कण के द्वारा मेडिकल विभाग में अनेकों प्रकार के उपकरण बन रहे हैं जो मनुष्य के जीवन सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है, अंग्रेजी विभाग की प्रोफेसर सत्यमवदा जी ने बच्चों के पठन – पाठन के लिए विशेष ध्यान रखने के लिए जागरूक किये उन्होंने कहा कि जिस देश की शिक्षा अधिकतम सीमा पर होता है उस देश के लोग विकसीत श्रेणी में आते हैं वहाँ के लोग साफ्टवेयर टेक्नालाजी में और देशों से हमेशा आगे रहते हैं। और डॉ संगीता सिंह भौतिकी विभाग ने अपने व्याख्यान में बताया कि राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों का अहम भूमिका होती है वे अपने पास पड़ोस के लोगों को भी साफ सफाई और सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक करते है , कार्यक्रम का शुभारम्भ राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्यगीत से शुरू हुआ जिसमें सभी कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार यादव डॉ० रमेश कुमार सिंह डॉ राम चिरंजीव डॉ० मनीष कुमार सिंह डॉ यशवन्त कुमार डॉ प्रमोद कुमार उपस्थित रहे और अन्त में धन्यवाद ज्ञापन मुख्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार यादव ने किया तथा कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया ।

परीक्षा देने जा रहे छात्रों पर नकाबपोश ने किया हमला

भोपा। सबसेड़ा इंटरकॉलिज मे परीक्षा देने जा रहे छात्रों का बाईक सवारो ने पीछा करते हुए पुलिस चौकी के निकट घात लगाकर हमला कर दिया। छात्रों के द्वारा शोर मचाने पर आये राहगीरो ने छात्रों की जान बचाई। परिजनों ने छात्रों की जान को खतरा जताते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग पुलिस से की है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव तिस्सा निवासी इरशाद ने बताया कि उसका पुत्र साकिब मदरसा इस्लामिया अरबिया बेहरुल उलूम इन्टर कॉलिज किशनपुर मे कक्षा 10 का छात्र है।जो बसेडा स्थित जनता जनार्दन इन्टर कॉलिज मे परीक्षा दे रहा है।मंगलवार की सुबह साकिब अपने साथी अरमान के साथ बाइक द्वारा परीक्षा देने जा रहे थे। जब वह भोपा के निकट युसूफपूर पेट्रोल पंप के पास पहुचे तो पीछे से लाल रंग की बाइक पर दो नकाबपोश युवकों ने साकिब व अरमान का पीछा किया।

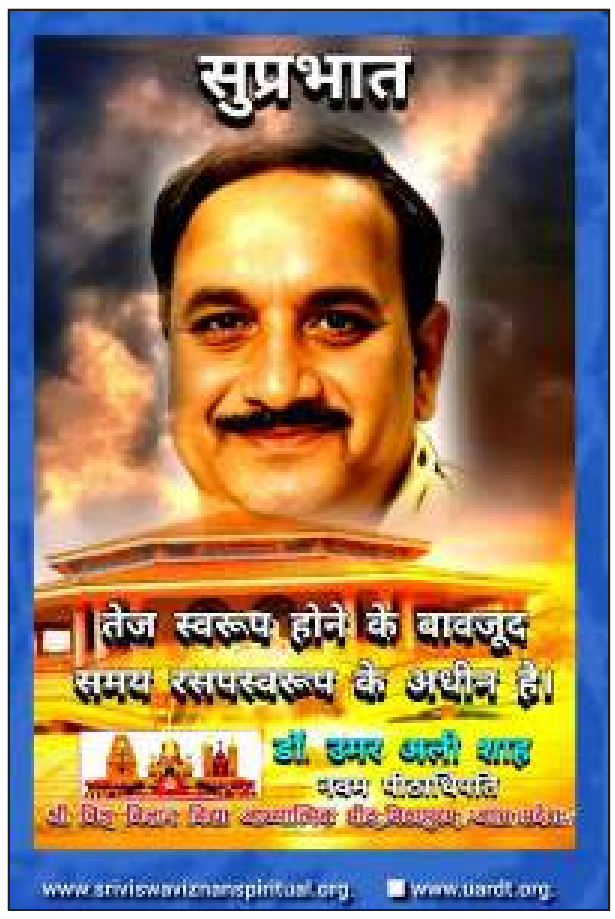

रंगों का मौसम

(कुण्डलिया)

साली जी का आगमन,होली रहे करीब।
मिले खघ्वाब को पूर्णता,सुन्दर सुखद नसीब।
सुन्दर सुखद नसीब, देख रंगों का मौसम।
जिसमें खघ्शी हजार, न रहता कोई भी गम।
हँसकर कहे प्रदीप, दिखे केवल हरियाली।
खेलें रंग गुलाल, साथ में जब भी साली।।

दिल की हालत क्या कहूँ,साली देख जवार।
कुढ़ता है रोता नहीं,देखे सौ–सौ बार।
देखे सौ–सौ बार,झरोखों से यह उसको।
फागुन ही है काल, कहे दिल अब मत बहको।
सुन लो प्रिये प्रदीप, तनिक अब खोलो खिड़की।
लेकर रंग –गुलाल ,करो अब केवल दिल की।।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

मोरना में एयरटेल की सेवा हुई धड़ाम, नागरिक हलकान

मोरना स– मोरना में मंगलवार को एयरटेल की सेवा धडाम हो गई, जिसके चलते एयरटेल के ग्राहक परेशान नजर आए तथा दूसरी कम्पनियों के मोबाइल से फोन करने के लिए इधर उधर भटकते दिखाई पडे। ग्रामीणों ने एयरटेल कम्पनी की सेवा को बेहद खराब स्थिति में बताते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। मोरना में एयरटेल कम्पनी की सेवाएं अक्सर ठप्प हो जाती है। ग्रामीणों के अनुसार 5जी नेटवर्क कभी कभी चलता है तथा इंटरनेट की स्पीड बेहद धीमी रहती है। कम्पनी तेज स्पीड प्रदान करने के नाम पर भारी पैसे वसूल रही है। तेज स्पीड के नाम पर ग्राहकों के साथ धोखा किया जा रहा है। रात्रि में अक्सर नेटवर्क बंद हो जाता है, एयरटेल के ग्राहकों को बडी परेशानी का सामना करना पड रहा है। मंगलवार की सुबह नेटवर्क गायब हो जाने से ग्राहक परेशान हो गये। अति आवश्यक कॉलिंग व इंटरनेट सर्फिंग के लिए ग्राहक इधर उधर भटकते रहे।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय सिविल जज (क0श्रे0) शर्की, इलाहाबाद।
वाद सं0-3598/ 2022
सूर्यबली सिंह
...वादी
बनाम
राधेश्याम सिंह आदि
निवासी-सरायलाहुर उर्फ लाहुरपुर हनुमानगंज, पर0 झूसी, तह0 फूलपुर, जनपद-प्रयागराज।
.....प्रतिवादीगण

चूँकि उपर नामेकित .... ने इस न्यायालय रो यह आवेदन किया हैं कि....कई तारीखों से नहीं आ रहे हैं....अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उरा आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए सन् 2025 के 03 के 24 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यकरूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप रो सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

तारीख पेशी-24/03/2025 को अंतिम अवसर दिया जाता है जवाब के लिये।

आज्ञा से
न्यायाधीश

सम्पादकीय.....

नशे के खिलाफ युद्ध

लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ पंजाब सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध शुरू किया है। सरकार का दावा है कि तीन महीने के भीतर इस समस्या का खात्मा कर दिया जाएगा। इसी क्रम में विभिन्न सरकारी विभागों ने सैकड़ों छापे डाले, तीन सौ के करीब गिरफ्तारियां और बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। निस्संदेह, यह कार्रवाई अभियान आक्रामक व तेज है, लेकिन ऐसे अभियान चलाने के दावे विगत में किए जाते रहे हैं। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र– गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। सवाल यह है कि मान सरकार का नशे के कारोबार के खिलाफ जारी अभियान कामयाबी की नई इबारत लिख पायेगा? उल्लेखनीय है कि मान के नेतृत्व वाले प्रशासन ने नशामुक्ति और पुनर्वास प्रयास के साथ ही प्रवर्तन एजेंसियों के जरिये एक व्यापक रणनीति को अंजाम देने की कोशिश की है। इस अभियान में नशामुक्ति केंद्रों और डॉक्टरों द्वारा लिखी जाने वाली दवाओं की बिक्री को विनियमित करने पर ध्यान देकर एक कारगर पहल की गई है। हालांकि, इस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या हम इस समस्या की जड़ पर प्रहार कर पाए हैं? दरअसल, इस संकट के मूल में जहां राजनीतिक जटिलताएं, सीमा से जुड़ी समस्याएं हैं, वहीं युवाओं के लिये रोजगार से जुड़े विकल्पों की भी कमी है। उल्लेखनीय है कि पंजाब में विगत में भी ऐसे दावे किए गए हैं। वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने चार हफ्ते में नशे के कारोबार को खत्म करने का वादा किया था। निस्संदेह, उनकी सरकार ने भी इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए थे। जिसमें सरकारी कर्मचारियों के लिये भी वार्षिक दवा परीक्षण तथा अधिकारियों की नशीली दवाओं के दुरुपयोग रोकथाम की जवाबदेही शामिल थी। लेकिन उसके बावजूद नशीली दवाओं का संकट जारी रहा। इससे पहले बादल के नेतृत्व वाली अकाली सरकार की भी नशे के खिलाफ शुरू की गई लड़ाई सिरे नहीं चढ़ सकी। दरअसल, नशे के कारोबार से जुड़े बड़े माफिया के खिलाफ कारगर कार्रवाई न हो सकने के कारण ये अभियान प्रभावी नहीं हो पाते। इस कार्रवाई का शिकार वे लोग होते हैं जो नशीली दवाओं के अंतिम उपयोगकर्ता नशेड़ी होते हैं। जो आमतौर पर गरीब लोग होते हैं। वहीं दूसरी ओर नशे का बड़ा कारोबार निर्बाध रूप से चलता रहता है। आखिर क्या वजह है कि भारी पुलिस व्यवस्था के बावजूद नशीली दवाओं की बड़ी खेप पंजाब में आसानी से प्रवेश कर जाती है। जो व्यवस्थागत संरचनात्मक मुद्दों की खामियों की ओर इशारा करती है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। सीमा पर सख्त नियंत्रण करने, न्यायिक दक्षता और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। वहीं सुखद है कि हिमाचल सरकार ने छह माह में नशे के नेटवर्क को ध्वस्त करने का संकल्प जताया है, जिसमें तस्करों की संपत्ति जब्त करने व संदिग्ध खातों की जांच भी शामिल है।

जेलेंस्की-ट्रम्प विवाद से नये समीकरण

डॉ. दीपक पाचपोर

दुनिया भी अब शांति विराम चाहती है। वैसे खुद यूक्रेन के लिये स्वतंत्र अस्तित्व बनाये रखने हेतु यह जरूरी हो गया है क्योंकि इसे वापस रूस द्वारा अपने में शामिल कराये जाने का खतरा उसके सिर पर मंडरा रहा है।

रूस के साथ पिछले तीन साल से जंग कर रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की तथा दुनिया के सबसे शक्तिशाली कहे जाने वाले देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच तीखी बहस ने दुनिया को हैरत में डाल दिया है। इसके कारण नये वैश्विक समीकरण बनते दिख रहे हैं। शुक्रवार की शाम को जेलेंस्की की ट्रम्प के साथ उनके ओवल कार्यालय में बैठक हुई थी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी साथ थे। बातचीत ने अप्रत्याशित मोड़ ले लिया जिसके कारण ट्रम्प के भोज को ठुकराकर जेलेंस्की अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ वहां से निकल गये। अमेरिका से जेलेंस्की यूनाइटेड किंगडम की राजधानी लंदन पहुंचे जहां उन्हें पूरे यूरोपीय देशों का समर्थन मिल गया। हालांकि उन्होंने बातचीत के लिये ट्रम्प का धन्यवाद किया है तथा ट्रम्प ने भी उनके अमेरिका छोड़ने के पहले ट्वीट किया है कि जब वे शांति की सोचें तो दोबारा आ सकते हैं। यह बहस तथा कौन सही है व कौन गलत, इसका विवाद एक ओर रख दें तो भी सारा विश्व हास्य कलाकार की भूमिका से राजनीति में आकर राष्ट्रपति बने जेलेंस्की की इस बात की प्रशंसा कर रहा है कि उन्होंने बगैर दबे जमकर बहस की तथा देश की सम्प्रभुता की दमदारी से रक्षा की। दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश रूस के साथ लम्बे समय से युद्धरत छोटे से देश यूक्रेन के संसाधन तेजी से चूक रहे हैं। देश का एक बड़ा हिस्सा रूसी बमबारी से तबाह हो चुका है। दुनिया भी अब शांति विराम चाहती है। वैसे खुद यूक्रेन के लिये स्वतंत्र अस्तित्व बनाये रखने हेतु यह जरूरी हो गया है क्योंकि इसे वापस रूस द्वारा अपने में शामिल कराये जाने का खतरा उसके सिर पर मंडरा रहा है। दूसरी बार जीतकर आने के बाद अब ट्रम्प की रुचि अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों में कम और व्यवसाय में ज्यादा है। यूरोप भी चाहता है कि युद्धविराम हो। इस सिलसिले में जेलेंस्की गये तो थे ट्रम्प को मनाने लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने उन पर आरोप लगाया कि वे विश्व को तीसरे महायुद्ध की ओर ले जा रहे हैं तथा एक तरह से एहसान जतलाया कि अमेरिका ने उन्हें 350 बिलियन डॉलर दिये हैं। उन्होंने यह भी ध्यान दिलाया कि अमेरिका यदि हथियारों की मदद नहीं करता तो यूक्रेन के लिये लड़ाई में दो हफ्ते भी टिकना मुश्किल था। इसकी ईमानदार स्वीकारोक्ति जेलेंस्की ने की लेकिन वे अपनी शर्तों पर अड़े रहे। जेलेंस्की को इस बात की भनक थी कि ट्रम्प स्थिति का फायदा उठाकर उनके देश के खनिज भंडारों से सम्बन्धित समझौता कराने के लिये दबाव डाल सकते हैं। वैसा हुआ भी। सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में प्रारम्भ हुई बातचीत के आखिरी 10 मिनटों में सब कुछ बदल गया जब ट्रम्प ने उनसे कहा कि वे युद्ध रोक दें। पूरी कूटनीतिक सतर्कता बरतते हुए जेलेंस्की ने कहा कि जब तक यूक्रेन की सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका नहीं लेता, वे ऐसा नहीं करेंगे। आगे यूक्रेन–अमेरिका सम्बन्ध क्या मोड़ लेते हैं, यह तो अगले कुछ दिनों में साफ हो पायेगा, परन्तु आम तौर पर अमेरिका के पीछे चलने वाले सभी 27 यूरोपीय देशों ने एकता दिखाते हुए जेलेंस्की को अपना समर्थन दे दिया। इसे लेकर जल्दी ही उनकी एक बैठक होने जा रही है। आस्ट्रेलिया और कनाडा भी यूक्रेन के पक्ष में खड़े हैं। मदद किस स्वरूप में रहेगी, कितने हथियार और धन की सहायता मिलेगी यह कुछ दिनों में सामने आयेगा परन्तु यह यूक्रेन को बड़ा सम्बल प्रदान करेगी। दूसरी ओर इस मामले में रूस की जीत बतलाई जा रही है लेकिन उससे इसलिये बहुत फायदा नहीं होने जा रहा है क्योंकि यूक्रेन तो उससे पहले से ही युद्ध कर रहा है और जितना नुकसान रूस कर सकता था वह कर चुका है। अलबत्ता, यूक्रेन ने यूरोपीय देशों से अमेरिका को अलग करने में सफलता पा ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने 2.84 अरब डॉलर का ऋण रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिये दे दिया। जेलेंस्की ने कहा कि इस राशि का उपयोग हथियार बनाने के लिये किया जायेगा। ट्रम्प द्वारा यूक्रेन पर युद्धविराम के लिये दबाव डालना यूरोपीय देशों के अलावा कनाडा, आस्ट्रेलिया आदि को नागवार तो गुजरा है, अमेरिका द्वारा रूस का एक तरह से अप्रत्यक्ष समर्थन उन्हें बिलकुल ही हजम नहीं हो सकता क्योंकि ज्यादातर देश पूंजीवादी व्यवस्था के समर्थक हैं जबकि रूस अब भी अलग खेमा माना जाता है, बावजूद इसके कि उसके अपने साम्यवादी विचारों में काफी लचीलापन आ चुका है और सोवियत संघ का विघटन हुए तीन दशकों से अधिक का वक्त गुजर चुका है। उसके पास अब केवल कम्युनिस्ट विचारधारा का इतिहास है और शासन प्रणाली। तो भी दुनिया, खासकर यूरोपीय संघ (ईयू), नाटो जैसे संगठन अमेरिका तथा रूस में यह नजदीकी देखने की आदी नहीं है। न उसे वह रुचिकर लगेगा। सम्भवतरू यही कारण है कि जेलेंस्की–ट्रम्प वार्ता के नाकाम होने के कुछ ही घंटों के भीतर यूक्रेन के साथ इतने देश खड़े हो गये। अपने शपथ ग्रहण समारोह में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को आमंत्रित कर ट्रम्प ने पहले ही संकेत दे दिये थे कि वे विचारधारा की बजाये व्यवसाय को तरजीह देंगे। भारत के सन्दर्भ में कहें तो लोग जेलेंस्की की तुलना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कर रहे हैं जिन्होंने पिछले दिनों ट्रम्प से मुलाकात की थी और पेश किये गये दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर दिये थे। कई शर्तें भारत के हितों के खिलाफ हैं– खासकर कबाड़ हो चुके एफ–35 लड़ाकू जहाज तथा महंगी दरों पर प्राकृतिक गैस व तेल की अमेरिका से खरीदी। जेलेंस्की को मसखरा कहें या कॉमेडियन लेकिन उन्होंने महाशक्ति के आगे घुटने न टेककर यूक्रेन के सम्मान की रक्षा की। दूसरी ओर कथित विश्वगुरु ने खामोशी से उसकी सारी शर्तें मान लीं।

विपक्षी इंडिया गठबंधन देश के लोगों को कैसे निराश कर रहा है?

नित्य चक्रवर्ती

लोकतांत्रिक अधिकार कार्यकर्ता जगदीप एस. छोकर ने समाचार पोर्टल द वायर में अपने हालिया लेख में दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के बाद वर्तमान चरण में भारतीय राजनीति की स्थिति पर अपने चार निष्कर्षों का उल्लेख किया है। उनके चार निष्कर्ष हैंरू पहला, भाजपा भारत में विपक्ष–मुक्त राजनीतिक परिदृश्य को लगभग प्राप्त कर रही हैय दूसरा, ऐसा लगता है कि यह विपक्षी दलों को खत्म करके और संस्थागत कब्जे से हासिल किया गया हैय तीसरा, विपक्षी दलों ने देश और उसके लोगों को निराश किया हैय और चौथा, भारत के लोगों ने देश को निराश किया है। हालांकि, श्री छोकर के निष्कर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के शासन के विश्लेषण पर आधारित है, लेकिन वे अपने अंतिम निष्कर्ष बिंदु पर सही नहीं थे कि भारत के लोगों ने भाजपा को सत्तारूढ़ पार्टी के रूप में चुनकर देश को विफल कर दिया है। उनका बिंदु बी आर अंबेडकर और राजेंद्र प्रसाद की टिप्पणियों पर आधारित था, जिन्होंने संविधान के लिए काम करने वाले लोगों को चुनने वाले लोगों के महत्व को रेखांकित किया था। चूंकि भारत के मतदाताओं ने उस पार्टी को शासन करने के लिए चुना है जो संविधान को कमजोर कर रही है, इसलिए उन्होंने देश को विफल कर दिया है। श्री छोकर 2025 में भारतीय राजनीति का आकलन करने में बहुत अधिक निराशावाद दिखा रहे हैं। वास्तव में भारत के लोगों ने देश को विफल नहीं किया है। वे अभी भी सतर्क और चुस्त हैं, लेकिन विफलता ज्यादातर विपक्षी इंडिया ब्लॉक के सही एजेंडे और संगठनात्मक क्षमता के साथ लोगों तक पहुंचने में असमर्थता के कारण है। भारतीय जनता ने 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को बहुमत न देकर और भाजपा और संघ परिवार के चौतरफा प्रचार और भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में केंद्र की स्वायत्त संस्थाओं के पूर्ण दुरूपयोग के बावजूद उसकी लोकसभा सीटों की संख्या को पहले के 303 से घटाकर 240 पर लाकर अपने सतर्क रवैये का परिचय दिया है। यह देश के जीवंत लोकतंत्र और सतर्क मतदाताओं का प्रदर्शन था। दिल्ली विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) को हराकर भाजपा की जीत निश्चित रूप से विपक्षी इंडिया ब्लॉक के लिए एक झटका है, लेकिन इसका मतलब आप का अंत या इंडिया ब्लॉक के लिए अंतिम तिनका नहीं है, जैसा कि राष्ट्रीय मीडिया और टीवी चौनलों के कुछ टिप्पणीकार पेश कर रहे हैं। जिन लोगों ने दिल्ली के मतदाताओं के मूड का अध्ययन किया है, वे जानते हैं कि 2025 के चुनावों में, भाजपा को हराकर सत्ता बरकरार रखना आप के लिए बहुत कठिन होगा, क्योंकि दिल्ली की सत्तारूढ़ पार्टी के दो कार्यकाल पूरे होने के बाद सत्ता विरोधी लहर थी। अंतिम निर्णायक बात यह रही कि मतदान से चार दिन पहले 1 फरवरी को घोषित 2025–26 के केंद्रीय बजट में आयकर में बड़ी छूट दी गयी और केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की गयी। इंडिया ब्लॉक की दोनों पार्टियों आप और कांग्रेस के वोटों को मिलाकर आप–कांग्रेस गठबंधन को लगभग 50 प्रतिशत वोट मिले और सीटों के मामले में, अगर गठबंधन होता तो इंडिया ब्लॉक के खाते में 14 और सीटें आतीं। इसका मतलब है कि अगर आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन होता तो इंडिया ब्लॉक कुल 70 सीटों में से 36 सीटें जीतकर मामूली जीत हासिल कर सकता था। इसके अलावा, आप ने दलितों, गरीबों और मुसलमानों के अपने आधार को बरकरार रखा, जैसा कि निर्वाचन क्षेत्रवार मतदान पैटर्न के विश्लेषण से पता चलता है। यह फैसला मतदान के दिन आप से भाजपा की ओर बड़े पैमाने पर मध्यम वर्ग के झुकाव का नतीजा था, जबकि गरीब कमोबेश आप और कांग्रेस के साथ खड़े थे। इसलिए, इस विचार से घबराने की कोई बात नहीं है कि भाजपा का रथ अजेय बनकर उभरा है। इंडिया ब्लॉक से लोकसभा चुनाव और उसके बाद के राज्य विधानसभा चुनाव परिणामों से उचित सबक लेने की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, इसके बजाय, इंडिया ब्लॉक के घटक उन राज्यों में सार्वजनिक रूप से झगड़े में लगे रहे, जहां लोकसभा चुनावों में प्रभावशाली प्रदर्शन के बावजूद उनका प्रदर्शन खराब रहा। महाराष्ट्र में, अभी भी इंडिया ब्लॉक के सहयोगियों के बीच मतभेद जारी हैं। एनडीए की चुनौती का सामना करने के लिए मजबूत नेतृत्व के तहत इंडिया ब्लॉक को एकजुट करने और मतभेदों को दूर करने का गंभीर प्रयास करने की आवश्यकता थी। भाजपा का अगला फोकस बिहार है, जहां साल के अंत तक राज्य विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सप्ताह की शुरुआत में भागलपुर का दौरा किया और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में पूरे जोर–शोर से चुनाव अभियान की शुरुआत की। भाजपा और आरएसएस दोनों ही पूरी तरह से तैयारी कर रहे हैं ताकि समय से पहले चुनाव की चुनौती का सामना करने की तैयारी पूरी की जा सके। इंडिया ब्लॉक के मोर्चे पर क्या स्थिति है? पिछले साल 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित हुए करीब नौ महीने हो चुके हैं, लेकिन इंडिया ब्लॉक की कोई बैठक नहीं हुई है। अब कोई नहीं जानता कि यह ब्लॉक की तरह काम कर भी रहा है या नहीं। इंडिया ब्लॉक के नेता के तौर पर कांग्रेस को 8 फरवरी को दिल्ली विधानसभा

के नतीजे घोषित होने के तुरंत बाद बैठक बुलानी थी, लेकिन पार्टी अब तक इस मुद्दे पर चुप है। ममता बनर्जी, अखिलेश यादव जैसे अन्य नेताओं ने नये नेता के नेतृत्व में इंडिया ब्लॉक के तत्काल कायाकल्प की मांग की है, लेकिन कांग्रेस इस पर चुप है, हालांकि पार्टी यह आभास देती है कि 99 सीटों के साथ लोकसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी होने के कारण उसे विपक्ष का नेता बने रहने का अधिकार है। लेकिन फिर दो ही स्थितियां हो सकती हैं – या तो कांग्रेस सक्रिय घटक के रूप में नेतृत्व करेगी या फिर शीर्ष पर अन्य वरिष्ठ नेताओं की भागीदारी के साथ इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व का पुनर्गठन किया जायेगा। पिछले कुछ महीनों में इंडिया ब्लॉक ने बहुत समय बर्बाद किया है। बिहार को इंडिया ब्लॉक का पूरा ध्यान आकर्षित करना है और यह सुनिश्चित करने के लिए, कांग्रेस, आरजेडी और वाम दलों के शीर्ष स्तर पर तत्काल घनिष्ठ समन्वय जरूरी है। अगर एनडीए बिहार विधानसभा चुनाव जीतता है, तो भाजपा को असम और बंगाल में 2026 के राज्य विधानसभा चुनावों के लिए बड़ी गति मिलेगी। भाजपा के लिए, अंग बंग कलिंग जीतना पवित्र मिशन है। ओडिशा पहले से ही इसके साथ है और बिहार भी जेडी(यू) के सहयोग से अब भाजपा के पाले में है। पार्टी आरएसएस की पूरी मदद से असम और बंगाल में अपनी स्थिति में काफी सुधार करना चाहती है। इंडिया ब्लॉक को अपनी लंबी नींद से तुरंत जागना होगा और कार्रवाई में कूदना होगा।

इंदिरा जैसी हिम्मत नहीं दिखा पाए मोदी

शकील अख्तर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बेहद खतरनाक शुरूआत कर दी। पुराने राष्ट्रपति (सरकार) के फैसलों को हम क्यों मानें? ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ हुई बातचीत, जो दुनिया भर में वायरल हुई और आखिरी दौर में बातचीत कम हम भारतीयों के हिसाब से सास–बहू के झगड़े की तरह थी, में कहा कि हमारे एक मूर्ख राष्ट्रपति (जो बाइडन) ने आपको रूस से लड़ने के लिए 350 अरब डालर दे दिए। संभवतः यह पहली बार है जब अन्तरराष्ट्रीय मामलों में इस तरह कैमरों के सामने कटु विवाद हो और एक बड़े देश का राष्ट्रपति अपने पूर्व राष्ट्रपति को मूर्ख कहे उसके अन्तरराष्ट्रीय फैसलों को मानने से इनकार करे। बाबा भारती की कहानी याद आती है कि फिर कौन यकीन करेगा? सुदर्शन की मशहूर कहानी हार की जीत में बाबा भारती कहते हैं कि अगर इस तरह धोखे हुए तो फिर कौन बात का यकीन करेगा? हालांकि अपने पूर्ववर्तियों को कुछ नहीं बताने का सिलसिला हमारे वाले पहले ही शुरू कर चुके हैं। ट्रंप ने तो अपने पूर्ववर्ती के लिए जो कुछ कहा अपने देश में ही कहा हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी इससे बहुत बड़ी बात विदेश में कह आए थे कि 2014 से पहले भारत में पैदा होना शर्म की बात थी। प्रधानमंत्री बनते ही 2015 में दक्षिण कोरिया में मोदी जी ने यह कहा था। और उसके बाद तो उनके भक्तों ने यह बताना शुरू कर दिया था कि भारत आजाद ही 2014 में हुआ। यह कहने वाली फिल्म एक्ट्रेस कंगना रनौत को फिर ईनाम के तौर बीजेपी का लोकसभा टिकट दे दिया गया। और वे सांसद बन गईं। प्रसंग आया है तो यह और बता दें कि सांसद बनने के बाद अभी उन्हें कोर्ट में प्रसिद्ध लेखक जावेद अख्तर से माफी मांगनी पड़ी। हालांकि यह शीर्षक किसी अखबार या टीवी चौनल में नहीं दिखा कि भाजपा सांसद कंगना रनौत ने माफी मांगी! खबर को दबा कर दिया गया कि मामला निपटा। और अगर किसी कांग्रेस के या विपक्ष के किसी सांसद ने माफी मांगी होती तो यह गोदी मीडिया किस तरह खुश होकर शोर मचाता? खैर 2014 में भारत आजाद हुआ कहने वाली कंगना को सांसदी का पुरस्कार मिल गया अब उनके बाद दूसरे जिसने कहा कि 1947 की आजादी दरअसल 99 साल के पट्टे पर मिली थी उसे मिलना शेष है। यह बात संघ और भाजपा अपने लोगों को आपसी बातचीत में बताते रहते हैं। मगर इसे सार्वजनिक रूप से जिसने कहा उसे अभी पुरस्कार नहीं मिला है। मिलेगा! शायद तय हो रहा है कि कितना बड़ा पुरस्कार देना है। तो ट्रंप ने दुनिया को यह मैसेज दे दिया कि उनके शासनकाल में किसी भी देश से जो भी एग्रीमेंट होगा, अन्तरराष्ट्रीय संधि होगी वह केवल तब तक ही लागू रहेगी जब तक वे कुर्सी पर हैं। बाद वाला उसे इसी तरह करने वाले को मूर्ख कहकर नकार सकता है जैसा मैं यूक्रेन के मामले में कर रहा हूं। यूक्रेन को रूस से लड़ाया किसने? अमेरिका ने! और आज उसके राष्ट्रपति ट्रंप कह रहे हैं समझौता कर लो। वह तो यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की सुन ही नहीं रहे कि उससे शांति होगी। हमारे ऊपर बाद में हमला न होने की गारंटी होगी। क्या होगा? कुछ नहीं। हमने कहा मान लो। डिप्लोमेसी का सबसे बड़ा मैसेज। कि यहां कोई किसी पर विश्वास नहीं करे। अपने स्वार्थ, नए बन रहे संबंध, दूसरे की कम हो रही उपयोगिता इन सब आधारों पर कोई भी किसी को छोड़ सकता है। और एकदम मंझधार में! जैसा यूक्रेन को छोड़ा। कहीं का नहीं रहा वह। रूस अब अपनी शर्तों पर समझौता करेगा। सबसे ज्यादा झंडा उसी का बुलंद रहा। अमेरिका ने माना कि तुम दो हफ्ते नहीं लड़ सकते थे उससे। जिस अमेरिका की दम पर वह रूस को सबक सिखाने की बात कर रहा था उसी अमेरिका ने अब उसे सबक सिखा दिया कि कोई किसी का नहीं होता। हम यह बात पहले से जानते थे। नेहरू का नान अलायंस मूवमेंट (गुट निरपेक्ष आंदोलन) आज सबको याद आ रहा होगा। नेहरू न रूस के साथ न अमेरिका के। मगर उनके साथ दुनिया के 120 देश। ट्रंप इसी बातचीत में जेलेंस्की से कह रहे हैं कि तुम दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की तरफ धकेलना चाहते हो। उस समय जब अमेरिका और रूस में भयानक शीत युद्ध चल रहा था तो यह 120 गुटनिरपेक्ष देशों का संगठन ही था जिसने दोनों महाशक्तियों को रोक कर रखा था। आज हम खुद ही खुद को विश्व गुरु कहने लगे। और हमारे प्रधानमंत्री को ही सामने बिठाकर ट्रंप ने ऐसे ही खूब खरी खोटी सुनाई थी। वायलेटर कहा था। टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी थी। ब्रिक्स जिसका भारत सदस्य है उसे खत्म करने की बात कही। यानी जो मुंह में आया कहा। और हमारे प्रधानमंत्री मुस्कराते हुए सब चुपचाप सुन रहे थे। फ्रांस के राष्ट्रपति मेक्रों ने हाथ पकड़ कर ट्रंप को रोक दिया। और अपने देश का यूरोप का पक्ष रखा। ऐसे ही यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने तो यहां तक कह दिया कि यह युद्ध आपकी धरती पर भी आ सकता है। सबने तुर्की ब तुर्की जवाब दिए। यहां हमारे वाले तो केवल अपनी तीखी जबान का उपयोग नेहरू–इन्दिरा को कोसने के लिए करते हैं। पता नहीं उन्हें कोई बताने वाला है या नहीं। हमारी विदेश सेवा में तो एक से एक काबिल अफसर हैं, खुद विदेश मंत्री एस जयशंकर रहे हैं आईएफएस।

एक दृष्टि में दृष्टागं देखा

एक दृष्टि में दृष्टांग देखा ,
कलयुग के आरंभ में
मानवता का विनाश देखा!
संस्कार विहीन पिता माताओं
से आंचल का त्याग देखा!
सगे सम्बंधित कुटुंबो
में अधिक स्वार्थ देखा!
भ्राता भगिनी में वैमत्या
रक्तो में रक्तपात देखा !
धन मोह के लोभ के प्रति
सुख शांति का त्याग देखा!
मनुष्यों के स्वरूप में
असुर राक्षसों का स्वभाव देखा !
कर्म धर्म में अज्ञानता
शिक्षा का व्यापार देखा !
विद्वानों के सभा में मदिरा
राजनीतिज्ञों का कुकर्म देखा!
करुणा विहीन हृदय सर्वत्र ,
सत्यों में असत्य का प्रभाव देखा ।
प्रेमियों में विलासता की वृद्धि ,
गृहणियों में प्रेम का त्याग देखा !
मोह भंग हुआ संसार से त्याग कर ,
एकांत में स्वयं को शान्तिप्रिय वास देखा
एक दृष्टि में दृष्टांग देखा !

रुद्र प्रताप चतुर्वेदी
सेवटा (आजमगढ़)

मोहम्मद सिराज के साथ रिलेशनशिप में होने की अफवाहों पर माहिरा शर्मा ने तोड़ी चुप्पी

> फल्मी ज्ञान के साथ एक साक्षात्कार में, माहिरा ने सिराज के साथ रिलेशनशिप में होने की अफवाहों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'किसी का कुछ नहीं है। मैं किसी को डेट नहीं कर रही हूं।' जब उनसे पूछा गया कि वह अफवाहों से कैसे निपटती हैं, तो माहिरा ने जवाब दिया कि प्रशंसक आपको किसी से भी जोड़ सकते हैं।

बिग बॉस 13 की एक्स कंटेस्टेंट माहिरा शर्मा और क्रिकेटर मोहम्मद सिराज के रिलेशनशिप में होने की खबरें माया नगरी में काफी समय से चल रही हैं। अब एक्ट्रेस ने सामने आकर इन अफवाहों को खारिज कर दिया है। माहिरा ने साफ तौर पर कहा है कि वह किसी को डेट नहीं कर रही हैं। एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि फैंस आपका नाम किसी से भी जोड़ देते हैं। उन्होंने इन सभी अफवाहों से निपटने के बारे में भी बात की। फिल्मी ज्ञान के साथ एक साक्षात्कार में, माहिरा ने सिराज के साथ रिलेशनशिप में होने की अफवाहों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, शकिसी का कुछ नहीं है। मैं किसी को डेट नहीं कर रही हूं।श जब उनसे पूछा गया कि वह अफवाहों से कैसे निपटती हैं, तो माहिरा ने जवाब दिया कि प्रशंसक आपको किसी से भी जोड़ सकते हैं। हम उन्हें रोक नहीं सकते। जब मैं काम करती हूं, तो मैं उनसे (सह–कलाकारों) भी जुड़ जाती हूं। वे संपादन करते हैं और सब कुछ करते हैं। लेकिन मैं इन सब को ज्यादा महत्व नहीं देती। अगर आपको यह पसंद है, तो करें, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। पिछले महीने, म्प्पउमे ने एक रिपोर्ट में खुलासा किया था कि माहिरा और सिराज रिलेशनशिप में हैं और इसे गुप्त बनाए हुए हैं। सिराज द्वारा माहिरा के एक इंस्टाग्राम पोस्ट को लाइक करने और फिर उन्हें फॉलो करने के बाद उनकी डेटिंग की अफवाहें उड़नी शुरू हुई थीं। माहिरा शर्मा से पहले, उनकी माँ सानिया शर्मा ने टाइम्स नाउ के साथ एक साक्षात्कार में अफवाहों का खंडन किया था। उन्होंने कहा था, आप क्या कह रहे हैं? लोग कुछ भी कहते हैं। अब जब मेरी बेटी एक सेलिब्रिटी है, तो लोग उसका नाम किसी के साथ भी जोड़ देंगे, तो क्या हमें उन पर विश्वास करना चाहिए? माहिरा शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत तारक मेहता का उल्टा चश्मा से की थी। वह नागिन 3, कुंडली भाग्य और बेपनाह प्यार जैसे टीवी शो से मशहूर हुईं। हालांकि, उन्हें सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 13 से जबरदस्त लोकप्रियता मिली और वह घर–घर में मशहूर हो गईं।

मुझे भू-राजनैतिक चिंता है : जॉन अब्राहम

अभिनेता जॉन अब्राहम अपनी अपकमिंग फिल्म 'द डिप्लोमैट' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं और उसकी तैयारी में लगे हुए हैं। अभिनेता ने बताया कि वह अपकमिंग फिल्म की ओर कैसे आकर्षित हुए। अभिनेता ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से खुलकर बात की, जिसमें उन्होंने बताया कि भू–राजनीति में उनकी रुचि ने ही उन्हें इस फिल्म की ओर आकर्षित किया। अभिनेता का मानना है कि अनियंत्रित रुचि आसानी से जुनून में बदल सकती है जो बाद में चिंता पैदा कर सकती है और शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन के स्तर को बिगाड़ सकती है। जॉन ने स्वीकार किया कि कभी–कभी उन्हें भू–राजनैतिक चिंता होती है, ठीक उसी तरह जैसे लोगों को पर्यावरण संबंधी चिंता होती है। जॉन ने कहा, "मैं इजरायल और हमास के बीच क्या हो रहा है और रूस–यूक्रेन युद्ध पर भी नजर रख रहा हूं, मैं इसके बारे में जानता हूं। मुझे लगता है कि आज दुनिया में हर संघर्ष के केंद्र में यरुशलम है। पूर्वी और पश्चिमी यरुशलम के बीच पूरा संघर्ष, दीवार, अल–अक्सा मस्जिद, 1947 का इतिहास, अब्राहम समझौता, वेलिंग वॉल, बालफोर समझौता और बाकी सब कुछ, जिसके कारण आज दुनिया भर में बड़ा परिवर्तन हुआ। अभिनेता को यह भी लगता है कि भू–राजनैतिक नॉलेज होने से व्यक्ति अधिक जागरूक होता है और निर्णय लेने की क्षमताओं को निखारते हुए राय बनाने की क्षमता में भी वृद्धि होती है। उन्होंने कहा, जब आपके दिमाग में इस तरह का भू–राजनैतिक नॉलेज होता है, जैसे कि द डिप्लोमैट में मेरे किरदार के दिमाग में है। कभी–कभी आप इसे शेयर नहीं करते हैं। लेकिन आपके दर्शकों को पता है कि यह आदमी जानता है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है। हाल ही में इजरायल ने सीरिया के दमिश्क में हवाई हमले किए। दमिश्क में बमबारी के बारे में जॉन ने कहा, दुनिया में क्या हो रहा है? जब दमिश्क आगे बढ़ रहा था, तो इसमें क्या गलत था? मुझे भू–राजनैतिक चिंता है, लोगों को पर्यावरण संबंधी चिंता होती है, मुझे भू–राजनैतिक चिंता है।

द पैराडाइज का रॉ स्टेटमेंट हुआ आउट, नानी की अब तक की सबसे दमदार फिल्म की दुनिया आई नजर!

नेचुरल स्टार नानी ने 'दसरा' में अपनी कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर एक रफ और रस्टिक कैरेक्टर निभाया, जिसने फैंस को चौंका दियाअब नानी एक बार फिर दर्शकों को इंप्रेस करने के लिए तैयार हैं। इस बार नानी फिर से डायरेक्टर श्रीकांत ओडेला और प्रोड्यूसर सुधाकर चेरुकुरी ('स्ट सिनेमाज) के साथ जुड़कर एक और दमदार फिल्म लेकर आ रहे हैं। उनकी नई फिल्म द पैराडाइज फिलहाल प्रोडक्शन के शुरुआती दौर में है और ये नानी को एक बार फिर एक बड़े, दमदार और लार्जर–दैन–लाइफ किरदार में पेश करेगी। दसरा के बाद नानी का ये प्रोजेक्ट और भी ग्रैंड होने वाला है। आज मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक, जिसे रॉ स्टेटमेंट नाम दिया गया है, रिलीज कर दिया, और नाम खुद ही सब कुछ बयां कर देता है। पहले ही फ्रेम से समझ आ जाता है कि इसे रॉ क्यों कहा गया है। फिल्म का एटमॉस्फियर, भाषा, नैरेटिव और बैकड्रॉप सब कुछ पूरी तरह से रियल, अनफिल्टर्ड और ग्रिट्टी नजर आता है। ग्लिम्प्स की शुरुआत ही एक डिस्क्लेमर से होती हैकृष्ॉ ट्रूथ, रॉ लैंग्वेज, जो इस कहानी की टोन को सेट कर देता है और इशारा देता है कि आगे कुछ दमदार और हटके देखने को मिलने वाला है। एक दमदार वॉयसओवर फिल्म की कोर स्टोरी को बयां करता है इतिहास में तोते और कबूतरों पर तो सबने लिखा, लेकिन उसी नस्ल से जन्मे कौवों की कोई कहानी नहीं लिखी। ये उन कौवों की कहानी है, जिनका पेट भूख से जलता रहा... उन लाशों की चीखों की कहानी, जो सदियों से चल रही हैं... एक ऐसे समाज की दास्तान, जो अपनी मां के दूध से नहीं, बल्कि खून से पला–बढ़ा... एक चिंगारी भड़की, जिसने पूरे समाज में जोश भर दिया। जो कौवे कभी तुच्छ समझे जाते थे, आज उनके हाथों में तलवारें थीं। ये उस बागी नौजवान की कहानी है, जिसने इन कौवों को एकजुट किया... उस युवक के नेता बनने की कहानी... वॉयसओवर की गहराई और दमदार विजुअल्स मिलकर दर्शकों को उस समाज की पीड़ा महसूस करवाते हैं, जिसकी यह कहानी है। ग्लिम्प्स की शुरुआत ही झुग्गियों में बिखरी लाशों और ऊपर मंडराते कौवों के डरावने दृश्यों से होती है। माहौल भारी है, दर्द और उथल–पुथल से भरा। तभी एक जबरदस्त विस्फोट होता है, जो न सिर्फ कहानी में हलचल लाता है, बल्कि प्रोटैगोनिस्ट नानी की धांसू एंट्री को भी सेट करता है। इस बार नानी पूरी तरह अलग अंदाज में नजर आ रहे हैंकूरफ, रॉ और दमदार। उनकी जूते पर बंधी घड़ी, पानी से निकली देसी बंदूक, और आग उगलती आंखों के साथ उनकी चाल, ये सब इस किरदार की इंटेंसिटी को बढ़ाते हैं। हालांकि उनका चेहरा अभी सामने नहीं आया, लेकिन उनका पावरफुल बॉडी लैंग्वेज, जबरदस्त मस्क्युलर लुक और डबल चोटी उनके किरदार की ताकत को बिना बोले ही बयां कर देते हैं। उनकी बेल्ट पर लिखा श्हीरोश इस बात का प्रतीक है कि वो सिर्फ एक बागी नहीं, बल्कि अपने लोगों के लिए एक लीडर बनकर उभरने वाले हैं। द पैराडाइज में नानी का अब तक का सबसे रॉ और इंटेंस अवतार। इस रॉ स्टेटमेंट से साफ हो जाता है कि श्द पैराडाइजश में नानी का किरदार अब तक का सबसे दमदार और जबरदस्त होने वाला है। उनका तगड़ा मेकओवर अपने आप में बहुत कुछ बयां करता है। चेहरे की झलक भले ही पूरी तरह सामने न आई हो, लेकिन भावनाओं की गहराई और किरदार की ताकत साफ झलकती है। ये तो बस शुरुआत है, फिल्म हमें एक ग्रिट्टी और एपिक जर्नी पर ले जाने वाली हैकृजहां बगावत भी होगी और एक जबरदस्त लीडरशिप की कहानी भी। श्रीकांत ओडेला ने फिर दिखा दिया कि वो कहानी कहने के उस्ताद हैं। 'द पैराडाइज' में उन्होंने एक ऐसी रफ–टफ और दमदार दुनिया बनाई है, जो पहले ही फ्रेम से पकड़ लेती है। उनकी कमाल की स्टोरीटेलिंग हर सीन में झलकती है, जहां वो नानी को अब तक के सबसे तगड़े अवतार में पेश कर रहे हैं। इस झलक की सबसे बढ़िया बात है इसकी छोटी–छोटी डिटेल्स, जैसे नानी के हाथ का टैटू। देखने में मामूली लगने वाली ये चीज, किरदार के सफर और बदलाव का पावरफुल सिंबल बन जाती है, जो फिल्म की गहराई को और बढ़ा देती है। टेक्निकली रॉ स्टेटमेंट हर मामले में लाजवाब। जीके विष्णु की सिनेमैटोग्राफी जबरदस्त है! हर फ्रेम में ऐसे तगड़े विजुअल्स हैं कि फिल्म की इंटेंस एनर्जी और माहौल सीधे दिल में उतर जाते हैं। कैमरे का हर मूवमेंट इस दुनिया को और दमदार बना देता है। अब बात करें रॉकस्टार अनिरुद्ध रविचंदर की, तो उनका बीजीएम एकदम कड़क है। उनकी म्यूजिक बीट्स हर हाई–वोल्टेज सीन को और भी भारी–भरकम और धड़कन तेज करने वाला बना देती हैं। फुल मसाला, फुल धमाका।अविनाश कोल्ला की प्रोडक्शन डिजाइन इस फिल्म की सबसे खास बातों में से एक है। श्रीकांत ओडेला ने जो दुनिया बनाई है, वो एकदम रॉ, ग्रिटी और रियलिस्टिक लगती है। हर छोटी–बड़ी डिटेल,चाहे वो कॉस्ट्यूम्स हों या सेट डिजाइन, ऑडियंस को पूरी तरह इस इंटेंस यूनिवर्स में डुबो देती है। नवीन नूली की एडिटिंग शानदार है, जो फिल्म की नैरेटिव को और भी टाइट बनाती है। वहीं,'स्ट सिनेमास ने इस प्रोजेक्ट में जबरदस्त प्रोडक्शन वैल्यू डाली है। फिल्म के हर फ्रेम में इसकी भव्यता और स्केल झलकती है, जो इस कहानी की ग्रैंडनेस को और ऊंचा उठाती है।'रॉ स्टेटमेंट' को तेलुगु, तमिल, हिंदी, इंग्लिश और स्पेनिश में रिलीज किया गया, और इसने उम्मीदों से बढ़कर दर्शकों को चौंका दिया। इसकी सिनेमाई भव्यता ने एक नया स्टैंडर्ड सेट किया है और क्वालिटी को अगले स्तर तक पहुंचाया है। अब जल्द ही इसका कन्नड़, मलयालम और बंगाली वर्जन भी रिलीज होने वाला है, जिससे ये फिल्म और ज्यादा दर्शकों तक पहुंचेगी। इसकी यूनिवर्सल अपील को देखते हुए, इसे पैन–वर्ल्ड रिलीज दी जाएगी, जिससे ये ग्लोबल लेवल पर अपनी छाप छोड़ सके।

फिल्मः द पैराडाइज
कास्टः नानी
तकनीकी टीमः
राइटर, डायरेक्टरः श्रीकांत ओडेला
प्रोड्यूसरः सुधाकर चेरुकुरी
बैनरः एसएलवी सिनेमाज
सिनेमैटोग्राफीः जीके विष्णु
म्यूजिकः अनिरुद्ध रविचंदर
एडिटिंगः नवीन नूली
प्रोडक्शन डिजाइनरः अविनाश कोल्ला
पीआरओः वामसी–शेखर
मार्केटिंगः फर्स्ट शो

एक्ट्रेस ने किया स्ट्रगल के दिनों को याद, कहा- पेपर जैसी रोटीयां खाती थी और बस 6 रुपये में खरीदती थी कपड़े

अर्चना पूरन सिंह ने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी मेहनत की है। हाल ही में, अर्चना ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए उन कठिन समय को साझा किया है, जो उन्होंने करियर की शुरुआत में बिताए थे। अर्चना पूरन सिंह ने बॉलीवुड के साथ–साथ टीवी इंडस्ट्री में भी काम किया है। करियर की शुरुआत में उन्हें बहुत मुश्किलें आईं। वह बताया करती थीं कि कभी–कभी वो 2 रुपये में लंच किया करती थीं। उस समय 1 रुपये में दाल और 10 पैसे में रोटी मिलती थी। वह 1 रुपये की दाल और 10 रोटी लिया करती थीं। रोटियां इतनी पतली होती थीं कि जैसे पेपर हो। अपने लेटेस्ट व्लॉग में अर्चना ने रणवीर शौरी और विनय पाठक से बात करते हुए अपने पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि वह किराए के घर में रहती थीं और उनके पास टीवी नहीं था। वह अपनी मकान मालिक से रात 10 बजे टीवी चलाने की अनुमति मांगती थीं, ताकि वो अपना शो देख सकें। कभी मकान मालिक टीवी चला देती थीं, लेकिन कई बार वह मना भी कर देती थीं। इस वजह से अर्चना ने अपने शोज के बहुत कम एपिसोड देखे थे। अर्चना ने यह भी बताया कि वह ऑडिशन देने के लिए कई बार पैदल ही जाती थीं। उस समय बस का टिकट केवल 50 पैसे का होता था, लेकिन वह उस पैसे को बचाकर 6 रुपये में एक टी–शर्ट खरीद लिया करती थीं। स्ट्रगल के दिनों से निकलकर अब अर्चना पूरन सिंह एक लग्जीरियस जीवन जी रही हैं और करोड़ों की मालकिन हैं। वह इन दिनों व्लॉग बनाती हैं, जो फैंस को काफी पसंद आ रहे हैं। व्लॉग में वह अपने पति और दोनों बेटों के साथ मस्ती करती हुई नजर आती हैं।

भीड़ में मास्क और लाल ओढ़नी... महाकुंभ के बाद अब मां संग बाबा विश्वनाथ के दरबार पहुंची प्रीति जिंटा

एक्ट्रेस प्रीति जिंटा बीते कुछ दिनों से अपने बेबाक बयानों की वजह से सुर्खियों में हैं। एक्ट्रेस ने अब अपनी मां के साथ प्रयागराज में महाकुंभ से वाराणसी तक की धार्मिक यात्रा की। इस दौरान की वीडियो प्रीति जिंटा ने इंस्टा पर शेयर की है। लुक की बात करें प्रीति ट्रेडिशनल लुक में प्यारी लगीं। माथे पर बिंदी, मांग में सजा सिंदूर प्रीति के लुक को परफेक्ट बना रहा है। इश दौरान प्रीति ने पहचान छिपाने के लिए चेहरे पर मास्क और सिर पर चुन्नी ओढ़ी थी। वीडियो के साथ एक्ट्रेस ने एक भावुक नोट भी लिखा–यह यात्रा कितनी रोमांचक रही। मां शिवरात्रि के लिए वाराणसी में हमारी महाकुंभ यात्रा को समाप्त करना चाहती थीं। इसलिए मैंने उनसे कहा, बेशक मां, चलो। जब हम वहां पहुंचे तो पता चला कि अधिक भीड़ के कारण कारों की अनुमति नहीं थी और एक पॉइंट के बाद सड़कें ब्लॉक थीं। इसलिए लोग पैदल चलकर काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन कर सकते थे। हमने तय किया कि हम वहां जाएंगे। कार में बैठने से लेकर ऑटो रिक्शा और साइकिल रिक्शा तक हमने यह सब किया और बहुत कुछ किया, हम भीड़ में चलते रहे। यात्रा से अपने अनुभव शेयर करते हुए उन्होंने आगे कहा–वाराणसी में भीड़ बहुत अच्छी थी। मुझे कभी भी कोई नकारात्मक चीज नहीं मिली और लोग मूल रूप से अच्छे हैं। भले ही यात्रा में हमें घंटों लग गए, लेकिन हमें कभी भी परेशानी महसूस नहीं हुई। इसके लिए आस्था की शक्ति और आसपास के लोगों की सामूहिक ऊर्जा का धन्यवाद। मैंने अपनी मां को कभी इतना खुश नहीं देखा... वे चमक रही थीं। उन्हें देखकर मुझे एहसास हुआ कि सबसे बड़ी सेवा भगवान के प्रति नहीं, बल्कि अपने माता–पिता के प्रति है। दुख की बात है कि हमें उनकी कीमत तभी पता चलती है, जब हम माता–पिता बन जाते हैं। भले ही उन्होंने इस यात्रा की शुरुआत की थी, लेकिन आह्वान मेरा था – वे सिर्फ बहाना थीं। हम आधी रात को पहुंचे और आधी रात की आरती देखी। यह कुछ सेकंड के लिए था, क्योंकि कोई वीआईपी सेवाएं उपलब्ध नहीं थीं, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ा।

रोज ब्रश करने के बाद भी पीले रहते हैं दांत तो जानें कारण

साफ और चमकते दांत पर्सनैलिटी को बढ़ाते हैं। डेंटिस्ट भी दांतों को साफ रखने के लिए रोजाना दो बार ब्रश करने के लिए भी कहते हैं। यदि दांत साफ हो तो ओरल हेल्थ भी अच्छी रहती है और इससे जुड़ी बीमारियों का खतरा भी कम होता है। लेकिन आपने यह बात नोट कि होगी कि कुछ लोगों के दांत ब्रश करने के बाद भी पीले हो जाते हैं। दांत पीले होने के कई कारण हो सकते हैं और यह बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। तो चलिए आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं कि किन कारणों से से दांत पीले होते हैं।

ज्यादा माउथवॉश इस्तेमाल करने के कारण

माउथवॉश का ज्यादा इस्तेमाल करने के कारण मुंह सूख जाता है और लार की कमी हो जाती है। लार में खनिज, एंजाइम और ऑक्सीजन के कंपाउंड पाए जाते हैं जो मुंह में पीएच का स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं। यह एसिड को इनेमल को दूर रखने में मदद करते हैं। वहीं लार दांतों में से दाग को कम करने में मदद करती है। लेकिन माउथवॉश में एसिड पाया जाता है जो इनेमल को नुकसान पहुंचाता है और इसके कारण दांत पीले हो सकते हैं।

कॉफी और चाय ज्यादा पीने से

चाय और कॉफी ज्यादा मात्रा में भी पीने के कारण दांत पीले दिखने लगते हैं। जब दिन में 2–3 बार चाय या कॉफी पी जाती है तो दांतों की ऊपरी परत धुंधले एंजेट के सीधे संपर्क में आ जाती है जिसके कारण यदि रोज दांत साफ न किए जाएं तो यह पीले होने लगते हैं। यदि फिर भी आप कॉफी और चाय ज्यादा पीते हैं तो इसकी मात्रा कम कर दें और दांतों की देखभाल करें।

एसिड वाले फल और सब्जियां

ज्यादा मात्रा में एसिड वाले फल और सब्जियां खाने के कारण दांतों का इनेमल पतला हो जाता है। फलों में एसिड पाया जाता है जो दांतों के लिए हानिकारक है। टमाटर, जूस, अनानास में एसिड ज्यादा मात्रा में होता है ऐसे में इनका सेवन कम मात्रा में ही करना चाहिए। कम करने का मतलब यह नहीं कि इन फलों को आप अपनी डाइट से नहीं निकाल दें लेकिन इनका सेवन करने के तुरंत बाद पानी पिएं इससे भी दांतों को पीलापन भी दूर होगा।

ज्यादा मीठा खाने से

मीठे का ज्यादा सेवन करने से मुंह में एसिड बढ़ जाता है। यह एसिड दांतों के लिए फायदेमंद नहीं होता। इसके कारण दांत पीले हो जाते हैं इसलिए मीठा खाने के बाद अपने दांतों पर ब्रश करें। इसके अलावा मिठाई खाने के बाद पानी पीना भी न भूलें।

धूम्रपान करने से

सिगरेट में पाया जाने वाले निकोटीन दांतों को प्रभावित करता है। यह दांतों को जल्दी पीला कर देता है। इसके अलावा धूम्रपान करने के कारण मसूड़ों की समस्या भी होने लगते हैं। ऐसे में धूम्रपान का सेवन न करें।

लाखों बच्चों पर मंडरा रहा 'खसरा का खतरा', इस खतरनाक बीमारी के बारे में आपको कितनी है जानकारी?

''जब तक खसरा खघ्त्म नहीं हो जाता, आप अपने बच्चों की गिनती नहीं करें।'' 1950 के दशक के अंत से लेकर 1960 के दशक की शुरुआत में खसरे का पहला टीका बनाने वाले अग्रदूतों में से एक डॉ. सैमुअल काट्ज, उन देशों में दुखी माता–पिता के मुंह से अकसर यह बात सुनते थे जहां खसरे का टीका अभी तक उपलब्ध नहीं था, क्योंकि वे इस बीमारी की वजह से अपने बच्चों को खोने के आदी थे। अकेले 2022 में, दुनिया भर में 90 लाख से अधिक खसरे के मामले और 136,000 मौतें हुईं, जो कि एक साल पहले की तुलना में क्रमशः 18प्रतिशत और 43प्रतिशत की वृद्धि है।

कई देशों में खसरे के प्रकोप का खतरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि इस वर्ष दुनिया के आधे से अधिक देशों में खसरे के प्रकोप का खतरा अधिक है। फरवरी 2024 के मध्य तक, कम से कम 15 राज्यों में खसरे के मामले और कई में बीमारी के अनियंत्रित प्रकोपों की सूचना मिली है। यह खसरा संकट सामने आने के बीच, अमेरिकी खसरा टीकाकरण दर 10 वर्षों में सबसे निचले स्तर पर है। फ्लोरिडा सर्जन जनरल जैसी प्रमुख हस्तियां स्थानीय प्रकोपों पर ऐसे तरीकों से प्रतिक्रिया दे रही हैं जो विज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य सिफारिशों के विपरीत हैं। टीका–विरोधी कार्यकर्ताओं द्वारा ऑनलाइन गलत सूचना और दुष्प्रचार का प्रसार इन भ्रामक विचारों को बढ़ावा देता है कि खसरा एक गंभीर स्वास्थ्य खतरा नहीं है और खसरा टीकाकरण आवश्यक नहीं है। हालाकि, सबूत स्पष्ट हैरू खसरा सभी के लिए बेहद खतरनाक है, और विशेष रूप से छोटे बच्चों, गर्भवती लोगों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों के लिए। लेकिन इसे रोकने के लिए सरल और प्रभावी उपकरण उपलब्ध हैं।

खसरा एक गंभीर बीमारी है

खसरा मानव इतिहास की सबसे घातक संक्रामक बीमारियों में से एक है। 1963 में टीका उपलब्ध होने से पहले, दुनिया भर में हर साल लगभग तीन करोड़ लोग खसरे से संक्रमित होते थे और 26 लाख लोग इस बीमारी से मर जाते थे। अमेरिका में, अनुमानित 30 लाख से 40 लाख संक्रमणों के लिए खसरा जिम्मेदार था। रिपोर्ट किए गए मामलों में, 48,000 अस्पताल में भर्ती हुए, एन्सेफलाइटिस या मस्तिष्क सूजन के 1,000 मामले थे, और हर साल 500 मौतें हुईं। खसरा सबसे संक्रामक रोगों में से एक है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्रों के अनुसार, किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने वाले 10 में से 9 लोग संक्रमित हो जाएंगे यदि उन्हें टीकों से सुरक्षा नहीं मिली है। किसी संक्रामक व्यक्ति के कमरे से बाहर निकलने के दो घंटे बाद तक खसरे का वायरस हवा में रह सकता है और दूसरों को संक्रमित कर सकता है।

ये हैं इसके लक्षण

खसरा किसी अनजान पीड़ित में एक से दो सप्ताह तक और कभी–कभी लक्षण शुरू होने से 21 दिन पहले तक छिपा रह सकता है। संक्रमित लोगों में खसरा चार दिन तक फैल सकता है, इसके विशिष्ट दाने विकसित होने से पहले और चार दिन बाद तक फैल सकता है। इसके शुरुआती लक्षण अमेरिका में कई अन्य सामान्य वायरल बीमारियों के समान हैंः बुखार, खांसी, नाक बहना और लाल आखें। लक्षण शुरू होने के कई दिनों बाद, मुंह के अंदर विशेष छोटे सफेद धब्बे विकसित होते हैं, और चेहरे पर दाने शरीर के बाकी हिस्सों में फैल जाते हैं। जबकि अधिकांश लोगों के लक्षणों में सुधार होता है, टीकाकरण से वंचित 5 में से 1 बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ता है, प्रत्येक 1,000 में से एक के मस्तिष्क में सूजन आ जाती है, जिससे मस्तिष्क क्षति हो सकती है, और प्रत्येक 1,000 में से तीन की मृत्यु हो जाती है। टीकाकरण न कराने वाले जो लोग गर्भवती हैं, उनमें खसरे के संक्रमण से गर्भपात, मृत बच्चे का जन्म, समय से पहले जन्म और जन्म के समय बच्चे का कम वजन हो सकता है।

ठीक होने के बाद भी रहता है खतरा

किसी व्यक्ति के पूरी तरह से ठीक हो जाने के बाद भी खसरे से गंभीर जटिलताओं का खतरा बना रहता है। दुर्लभ मामलों में, लोगों को मस्तिष्क संबंधी बीमारी का अनुभव हो सकता है जिसे सबस्यूट स्केलेरोजिंग पैनेंसेफलाइटिस कहा जाता है, जो संक्रमण के सात से 10 साल बाद विकसित होता है और स्मृति हानि, अनैच्छिक गतिविधियों, दौरे, अंधापन और अंततः मृत्यु का कारण बनता है। इन व्यक्तिगत स्वास्थ्य प्रभावों के अलावा, खसरे के प्रकोप को रोकने के लिए समाज की वित्तीय लागत महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, वाशिंगटन राज्य में 2019 में खसरे के प्रकोप की अनुमानित लागत 34 लाख अमेरिकी डॉलर थी। खसरे के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक प्रयास लाखों डॉलर के महत्वपूर्ण संसाधनों को अन्य आवश्यक सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यों से दूर ले जाते हैं जैसे कि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, चोटों और पुरानी बीमारियों को रोकना और आपदाओं का जवाब देना।

टीके खसरे से बचाव करते हैं

जब सभी की सुरक्षा के लिए प्रभावी और सुरक्षित उपकरण उपलब्ध हैं तो समुदायों को जोखिम में क्यों डाला जाए और खसरे से होने वाले इस सामाजिक नुकसान को सहन क्यों किया जाए? खसरे के टीके इतने प्रभावी रहे हैं कि टीके की दो खुराक प्राप्त करने वाले 97ः से अधिक लोगों को आजीवन सुरक्षा प्रदान करते हैं, कि वे अपनी ही सफलता के शिकार हो जाते हैं। प्रारंभिक व्यापक खसरे के टीकाकरण से टीका उपलब्ध होने से पहले की तुलना में खसरे के मामलों में 99ः की कमी आई थी, और इसका नतीजा यह हुआ कि अमेरिका में अधिकांश लोग इस बीमारी की गंभीरता से अनजान हैं। अमेरिका में अत्यधिक प्रभावी टीकाकरण कार्यक्रमों की सफलता के बावजूद, कोई भी व्यक्ति अभी भी अपने समुदाय में खसरे के संपर्क में आ सकता है। अमेरिका में खसरा अक्सर घर लौटने वाले बिना टीकाकरण वाले अमेरिकी यात्रियों और कभी–कभी विदेशी आगंतुकों द्वारा लाया जाता है। देश से बाहर यात्रा करने वाले लोगों के लिए, खसरे के संपर्क में आने का खतरा और भी अधिक है, कई यात्रा स्थलों पर इसका व्यापक प्रकोप होता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य के हिमायती जो टीकाकरण को अपनाते हैं और बढ़ावा देते हैं और सरल, सिद्ध संक्रामक रोग रोकथाम उपायों का पालन करते हैं, वे खसरा रोग को फैलने से रोकने में मदद कर सकते हैं।

(डेविड हिगिंस रिसर्च फैलो और बाल चिकित्सा में प्रशिक्षक, कोलोराडो विश्वविद्यालय अंसचुट्ज मेडिकल कैंपस)

परिवार संग बजट में करना चाहते हैं ट्रिप प्लान, तो काउच सर्फिंग है बेहतरीन ऑप्शन

घूमने–फिरने के शौकीन लोग अक्सर लोग छुट्टी मिलते ही ट्रिप प्लान कर लेते हैं। लेकिन घूमने के लिए जेब में पैसे होने बहुत जरूरी है। कई बार बजट के कारण लोगों का घूमने का प्लान कैंसिल हो जाता है। क्योंकि ट्रिप के दौरान आने–जाने से लेकर रुकने और खाने–पीने तक की हर चीज में पैसे खर्च होते हैं। वहीं यदि इन चीजों के साथ समझौता करने से ट्रिप अच्छी नहीं रहती हैं। इन सारी चीजों के साथ समझौता करने पर ट्रिप से खराब यादें लेकर लौटना पड़ता है। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए काउच सर्फिंग की शुरुआत की गई होगी। आज हम इस आर्टिकल के जरिए आपको ये टर्म और इसके फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि काउच सर्फिंग कम्यूनिटी का मकसद आपकी ट्रिप को बेहतर और सुखद बनाना है। इसके साथ ही यह ट्रैवलर्स को फ्री में स्टे का ऑप्शन चुनने में मदद करता है। काउच सर्फिंग एक सोशल नेटवर्किंग साइट है, जो मुख्य रूप से दुनियाभर के लोगों को जोड़ने का काम करता है। ट्रैवलर्स गेस्ट के तौर पर रजिस्ट्रेशन करवाते हैं और अपनी ट्रिप की प्लानिंग को इसके साथ साझा करते हैं। इसके साथ ही लोकल लोग श्होस्टश के तौर पर रजिस्ट्रेशन करते हैं। यही होस्ट ट्रैवलर्स को अपने घरों में स्टे करने का ऑप्शन देते हैं।

काउच सर्फिंग के फायदे

इस कम्यूनिटी के जरिए यात्री फ्री में स्टे के लिए जगह ढूंढ सकते हैं। इससे ट्रिप के दौरान आपके अच्छे–खासे पैसे बच सकते हैं। वहीं आप देश में घूमे या विदेश में काउच सर्फिंग से वहां के लोकल लोगों को जानने का मौका मिलता है। आप जिस भी जगह घूमने जा रहे हैं, वहां कि संस्कृति और अन्य चीजों को पास से देख व समझ सकते हैं। यदि आपका नेचर इंट्रोवर्ट है, काउच सर्फिंग आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन है। क्योंकि इसके माध्यम से आपको अंजान लोगों से मिलने और नए दोस्त बनाने का मौका मिलता है। जब आप नए लोगों के साथ कम्यूनिकेट करते हैं, तो आपका कॉन्फिडेंस बढ़ता है। काउच सर्फिंग में जहां पर आप स्टे करते हैं, आपको उन लोगों के लिए कुछ काम करना होता है, जैसे–बेबी सीटिंग, कुकिंग, साफ–सफाई और गार्डनिंग आदि।

शादी और रिसेप्शन के लिए बेस्ट हैं ये हैवी डिजाइन वाले सलवार–सूट, 50 की उम्र में भी लगेंगी गॉर्जियस

हर महिला व लड़की को सजना–संवरना काफी ज्यादा पसंद होता है। वहीं बात यदि सूट की हो, तो इसको महिलाएं पार्टी–फंक्शन के अलावा रोजाना भी पहनती हैं। बाजार में सूट के कई फैंसी ऑप्शन आसानी से मिल जाते हैं। कपड़े खरीदने के दौरान हम सभी बॉडी टाइप का ध्यान रखते हैं। तो वहीं कई बार उम्र को ध्यान में रखते हुए भी डिजाइन और पैटर्न चुनते हैं। जरूरी नहीं है कि आप हर बार लोगों के फैशन टेस्ट को फॉलो करें। बल्कि आप खुद का फैशन व स्टाइल क्रिएट कर सकती हैं। ऐसे में अगर आप भी खुद का स्टाइल स्टेटमेंट क्रिएट करना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सूट के कुछ खास डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप 50 की उम्र में भी बड़े आराम से कैरी कर खुद को स्टाइलिश दिखा सकती हैं। साथ ही हम आपको इन सूट के साथ अपने लुक को स्टाइल करने के तरीके के बारे में भी बताएंगे।

शरारा सूट

बता दें कि आजकल शॉर्ट कुर्ती के साथ शरारा सूट काफी ट्रेंड में है। इस तरह के मिलते–जुलते सूट आपको मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे। मार्केट में यह सूट आपको लगभग 3,000 रुपए तक में मिल जाएगा। इस सूट में अपने लुक को स्टाइलिश बनाने के लिए आप कानों में हैवी झुमकी इयररिंग्स कैरी कर सकती हैं।

स्ट्रैट ब्लैक सूट

स्ट्रैट ब्लैक सूट आपको स्लिम लुक देने में मदद करेगा। इस तरह के सूट का कपड़ा आप मार्केट से 1500–2000 के बीच में आसानी से खरीद सकती हैं। फिर इसको अपने हिसाब से बनवा सकती हैं। इस सूट के साथ आपने अपने बालों को बन हेयर स्टाइल में बनाकर इनमें गजरा लगा सकती हैं। इस तरह से आपका लुक निखरकर आएगा।

अनारकली स्टाइल सूट

फुल लेंथ की अनारकली की जगह घुटने तक डिजाइन वाला कलीदार सूट कैरी कर सकती हैं। इस तरह के हैवी सूट आपको मार्केट में 4,000 तक में आसानी से मिल जाएगा। इस तरह के सूट में कर्ल्स हेयर स्टाइल बना सकती हैं। वहीं मेकअप में आप लाइट कलर का पैलेट चुन सकती हैं।

स्नैक्स में बनाएं शेफ संजीव कपूर के स्पेशल कंद के पकोड़े, जानें पूरी रेसिपी

शाम के टाइम स्नैक्स में कुछ न कुछ खाने का मन जरुर करता है। शाम की भूख बहुत तेज लगती है ऐसे में कुछ चटपटा और टेस्टी खाने का मन जरुर करता है। शाम की चाय के साथ रोजाना नया–नया क्या बनाएं इस बात से काफी परेशान हो गए हो तो कुछ नया चाहिए ही होता। बच्चों की फरमाइश को पूरी करने के लिए घर में बनाए कंद के पकोड़े। यह पकोड़े काफी टेस्टी है और बच्चों को जरुर पसंद आएंगे। पकोड़े की यह रेसिपी स्नौक्स के लिए परफेक्ट रहेगी और आपके घर में बच्चों के साथ–साथ बड़ों को भी बहुत पसंद आएगी। बिना देर किए आपको कंद के पकोड़े की रेसिपी बताते हैं।

कंद के पकोड़े की सामग्री

–500 ग्राम बैंगनी रतालू (कंद)
– 1/2 कप बेसन
–1 चम्मच जीरा भूनकर कुटा हुआ
–1 चम्मच काली मिर्च कुटी हुई
–1 चम्मच धनिये के बीज भूनकर कुटे हुए
–तलने के लिए तेल
–2 चम्मच नींबू का रस
– स्वाद अनुसार नमक
–1/4 कप चावल का आटा
–1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
–एक चुटकी हींग
–1/4 चम्मच हल्दी पाउडर

कंद के पकोड़े की विधि

– सबसे पहले ऊपर बताई गई सामग्रियों को तैयार करें। इसके बाद कंद, बेसन, हल्दी पाउडर, नमक, कटी हुई हरी मिर्च, 1 चम्मच जीरा भूनकर कुटा हुआ, 1 चम्मच काली मिर्च कुटी हुई और 1 चम्मच धनिये के बीज भूनकर कुटे हुए डालें इसके बाद सभी सामग्रियों को डलकर अच्छी तरह से मिलाएं।

– अब पानी डालकर घोल तैयैर कर लें, जब घोल मिल जाए तो लगभग 10 मिनट के लिए सेट होने के लिए रख दें। इस दौरान एक कड़ाही गैस पर गर्म होने दें। इसके बाद कड़ाही में तेल डालकर गर्म होने दें।

– अब एक–एक करके कड़ाही में पकोड़े डालना शुरु करें। लगातार चलाते हुए पकोड़े को फ्राई करें। जब पकोड़े दोनों तरफ से अच्छे से फ्राई हो जाए तो एक प्लेट में निकाल लें। ऊपर से हरा धनिया और चाट मसाला डालें। गर्मागर्म कंद के पकोड़े का स्वाद लें।

संक्षिप्त

द्विपक्षीय निवेश संधि का नया मश्वडल वैश्विक निवेश वातावरण की मांग के आधार पर बनेगा, बोले सीईए नागेश्वरन

नई दिल्ली। द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) का नया मॉडल पाठ गतिशील वैश्विक निवेश माहौल की मांगों के देखते हुए तैयार होगा और यह भारत के संप्रभु अधिकारों और नियामकीय प्रतिबद्धताओं की भी सुरक्षा करेगा। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने यह टिप्पणी की है। भारत को निवेश अनुकूल बनाना विषय पर एक पोस्ट बजट वेबिनार 2025 को संबोधित करते हुए नागेश्वरन ने कहा कि आधुनिक चुनौतियों से निपटने के लिए बीआईटी ढांचे को संशोधित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के मॉडल बीआईटी की पिछली समीक्षा के बाद से लगभग 10 वर्ष बीत चुके हैं और तब से वैश्विक निवेश के पारिस्थितिकी तंत्र और न्यायशास्त्र में बड़ा बदलाव हुआ है। नागेश्वरन ने कहा कि निवेशक अब अपने निवेश के लिए अधिक मजबूत सुरक्षा चाहते हैं, विशेष रूप से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में। ऐसे में मॉडल बीआईटी में बदलाव जरूरी हो गया है, ताकि इसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप बनाया जा सके और सुनिश्चित किया जा सके कि देश मध्यम आकार के उद्यमों के लिए एक आकर्षक निवेश गंतव्य बना रहे। नागेश्वरन ने कहा, ष्नया मॉडल बीआईटी गतिशील वैश्विक निवेश वातावरण की मांगों के प्रति अधिक अनुकूल होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने 2025–26 के बजट भाषण में कहा कि निरंतर विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने और श्फर्स्ट डेवलप इंडियाश की भावना के साथ वर्तमान मॉडल बीआईटी को नया रूप दिया जाएगा और इसे अधिक निवेशक–अनुकूल बनाया जाएगा। नागेश्वरन ने यह भी कहा कि विदेशी निवेश आर्थिक वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और हम चालू खाता घाटे (सीएडी) वाले देश हैं, इसलिए हमें पोर्टफोलियो और प्रत्यक्ष निवेश दोनों की आवश्यकता है। भारत ने 1994 में यूनाइटेड किंगडम के साथ अपने पहले द्विपक्षीय निवेश समझौते (ठप्ज्) पर हस्ताक्षर किया था। हाल ही में, 2024 में संयुक्त अरब अमीरात और उज्बेकिस्तान के साथ दो और द्विपक्षीय निवेश संधियों पर हस्ताक्षर किए हैं। वर्तमान में भारत, ब्रिटेन, सऊदी अरब, कतर और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ बीआईटी पर बातचीत कर रहा है।

शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी; सेंसेक्स 96 अंक गिरा, निफ्टी 22,082 पर हुआ बंद

नई दिल्ली। शेयर बाजार कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन भी गिरावट के साथ बंद हुआ। मंगलवार सुबह 300 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ खुला शेयर बाजार लाल निशान पर ही

बंद हुआ। दिनभर के कारोबार के दौरान बाजार थोड़ा संभला लेकिन वह लाल निशान को पार नहीं कर सका। सेंसेक्स 96.01 अंक गिरकर 72,989.93 अंक पर बंद हुआ और निफ्टी भी 36.65 अंक फिसलकर 22,082.65 पर रहा।

सेबी की पूर्व अध्यक्ष माधबी पुरी बुच को राहत, FIR दर्ज करने के विशेष अदालत के आदेश पर रोक

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शेयर बाजार धोखाधड़ी मामले में सेबी की पूर्व अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के विशेष अदालत के आदेश पर रोक लगाई। दरअसल, पूर्व सेबी प्रमुख बुच और पांच अन्य ने कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी

के लिए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश को रद्द करने की मांग करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि वह याचिकाओं पर 4 मार्च को सुनवाई करेगा। एसीबी से तब तक विशेष अदालत के आदेश पर कार्रवाई नहीं करने को कहा गया था। इससे पहले मुंबई की एक विशेष कोर्ट ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के आरोप में पूर्व सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था।

विशेष एसीबी अदालत ने क्या कहा था?

मुंबई स्थित विशेष एसीबी अदालत के न्यायाधीश शशिकांत एकनाथराव बांगर ने शनिवार को पारित आदेश में कहा था कि प्रथम दृष्टया विनियामकीय चूक और मिलीभगत के सबूत हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। कोर्ट ने कहा था कि वह जांच की निगरानी करेगा। मामले में 30 दिनों के भीतर स्टेटस रिपोर्ट सौंपने को कहा गया था। अदालत ने आदेश में यह भी कहा था कि आरोपों से संज्ञेय अपराध का पता चलता है, जिसके लिए जांच जरूरी है। आदेश में कहा गया था कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की निष्क्रियता के कारण सीआरपीसी (आपराधिक प्रक्रिया संहिता) के प्रावधानों के तहत न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है।

किस–किस पर एफआईआर के थे आदेश

माधबी बुच के अलावा जिन अन्य अधिकारियों के खिलाफ अदालत ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है, उनमें बीएसई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदररामन राममूर्ति, इसके तत्कालीन चेयरमैन और जनहित निदेशक प्रमोद अग्रवाल और सेबी के तीन पूर्णकालिक सदस्य अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण जी और कमलेश चंद्र वार्ष्णेय शामिल हैं।

`अपनों' के खिलाफ खेल रहे तनवीर सांघा, पाकिस्तान के खिलाफ कर चुके हैं भारत का प्रतिनिधित्व

दुबई, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आज चौंपियंस ट्रॉफी का सेमीफाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। दोनों ही टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। इस मैच से पहले सोशल मीडिया पर तनवरी सांघा ट्रेंड हो रहे हैं। तनवीर चौंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हैं। दुबई में स्पिन पिच को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने उन्हें प्लेइंग–11 में भी शामिल किया है। आज तनवरी श्अपनोंश के खिलाफ एक और मैच खेलते दिख रहे हैं। तनवीर भारतीय मूल के हैं और उनका जालंधर से खास नाता है। तनवीर ने इससे पहले 2023 में ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था और वह भी भारत के खिलाफ। वह पाकिस्तान के खिलाफ भी एक मैच में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। हालांकि, यह मैच अंतरराष्ट्रीय स्तर का नहीं था। तनवीर एक लेग स्पिनर हैं और दुबई में वह घातक साबित हो सकते हैं। अब तक इस भारतीय मूल के स्पिनर ने ऑस्ट्रेलिया के लिए तीन वनडे और सात टी20 खेले हैं। वनडे में उन्होंने दो विकेट और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 10 विकेट लिए हैं। वनडे में उनका इकोनॉमी 6.91 का और टी20 में 8.89 का रहा है। तनवीर ने अपना वनडे डेब्यू सितंबर 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में ही एक टूर्नामेंट मनीग्राम थंडर नेशन कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और पाकिस्तान के खिलाफ खेले थे। यह एक क्लब मैच था। तनवीर का जन्म 26 नवंबर 2001 को सिडनी में हुआ था। उनके पिता का नाम जोगा सांघा और मां का नाम उपनीत है। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा सिडनी के ईस्ट हिल्स बॉयज हाई स्कूल से पूरी की। तनवीर का रिश्ता भारत से काफी गहरा है। उनके पिता पंजाब के जालंधर के रहने वाले हैं। जोगा सांघा 1997 में ऑस्ट्रेलिया गए थे। वह सिडनी में टैक्सी ड्राइवर हैं। वहीं, उनकी मां उपनीत अकाउंटेंट का काम करती हैं।

अंडर–19 विश्व कप में किया था कमाल

तनवीर ने 12 दिसंबर 2020 को बिग बैश लीग (बीबीएल) के मैच में सिडनी थंडर के लिए पहला टी20 खेला था। हालांकि, उन्होंने पहली बार 2020 अंडर–19 क्रिकेट विश्व कप के दौरान प्रशंसकों का ध्यान आकर्षित किया। इस टूर्नामेंट में तनवीर ने 15 विकेट अपने नाम किए थे। बीबीएल में एक प्रभावशाली सीजन के बाद तनवीर को जनवरी 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ट्रांस–तस्मान टी20 सीरीज के लिए पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम में चुना गया था, लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला था। उसी साल उन्होंने शेफील्ड शील्ड में न्यू साउथ वेल्स के लिए प्रथम श्रेणी में पहला मैच खेला था। तेज गेंदबाज गुरिंदर संधू के बाद तनवीर सीनियर स्तर पर ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय मूल के दूसरे खिलाड़ी हैं। गुरिंदर ने 2015 में दो वनडे मैचों में भाग लिया था। तनवीर ने हाल ही में द हंड्रेड में हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने तीन मैचों में बर्मिंघम फीनिक्स का प्रतिनिधित्व किया था।

दोनों टीमों की प्लेइंग–11

ऑस्ट्रेलियाः कूपर कोनोली, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ (कप्तान), मार्नस लाबुशेन, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एलेक्स कैरी, ग्लेन मैक्सवेल, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, एडम जैम्पा, तनवीर सांघा।

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम में हुआ बड़ा बदलाव, बाबर-रिजवान की छुट्टी

पाकिस्तान की आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में जो हालात रहे उसकी कहानी सभी को पता है। अपनी मेजबानी में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट से पाकिस्तान महज पांच दिनों में ही बाहर हो गया, जिसके बाद टीम में अब बड़े बदलाव हो गए हैं। दरअसल, न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे और टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान हुआ है। इसमें वनडे सीरीज में तो मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम को मौका मिला है लेकिन टी20 सीरीज से दोनों खिलाड़ियों को बाहर किया गया है। मौजूदा समय में खेली जा रही आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान मेजबान देश है लेकिन टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। पाकिस्तान टीम को पहले न्यूजीलैंड और फिर भारत के खिलाफ करारी हार झेलनी पड़ी। इस शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान टीम को टी20 फॉर्मेट के लिए नया कप्तान मिला है। न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की सीरीज के लिए मोहम्मद रिजवान की जगह सलमान आगा को टीम की कमान सौंपी गई है। वहीं शादाब खान की वापसी के साथ उन्हें उपकप्तान बनाया गया है। रिजवान और बाबर और शाहीन अफरीदी को टी20 टीम में जगह तक नहीं दी गई है। टी20 सीरीज के लिए पाकिस्ता ने युवा खिलाड़ियों पर दांव खेला है। नसीम शाह को भी टी20 टीम में मोका नहीं दिया गया है। जबकि हैरिस रऊफ को दोनों ही टीमों में जगह नहीं मिली है।

वनडे में रिजवान की कप्तान बरकरार

हालांकि, चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम के शर्मनाक प्रदर्शन के बावजूद वनडे फॉर्मेट में रिजवान पर सिलेक्टर्स ने बतौर कप्तान अपना भरोसा कायम रखा है। सलमान आगा को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वनडे टीम में मोहम्मद वसीम जूनियर, मोहम्मद इरफान खान को जगह दी गई है। सूफियान मुकीम और तैयाब ताहिर भी वनडे टीम में अपनी जगह बनाने में सफल रहे हैं। पीसीबी ने बताया कि इंजरी के चलते फखर जमां और सैम अयूब सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

पाकिस्तान टीम दौरे का आगाज पांच मैचों की टी20 सीरीज से करेगी। सीरीज का पहला मुकाबला 16 मार्च, तो दूसरा मुकाबला 18 मार्च को खेला जाएगा। तीसरी मुकाबला 21 मार्च को ऑकलैंड और चौथा मैच 23 मार्च को खेला जाना है। सीरीज का आखिरी मुकाबला 26 मार्च को खेला जाएगा। वनडे सीरीज की शुरुआत 29 मार्च से होगी जबकि आखिरी मुकाबला 5 अप्रैल को खेला जाना है।

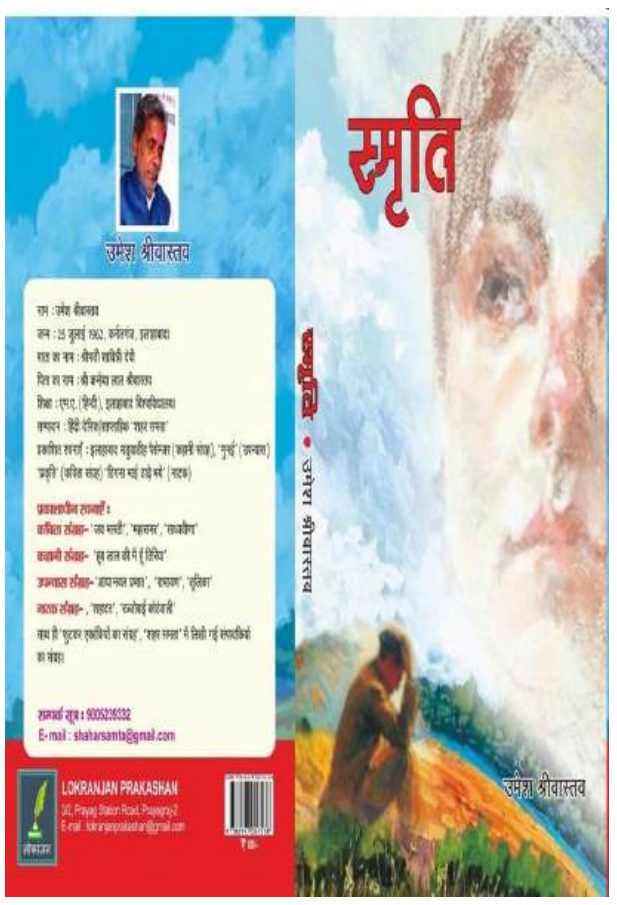

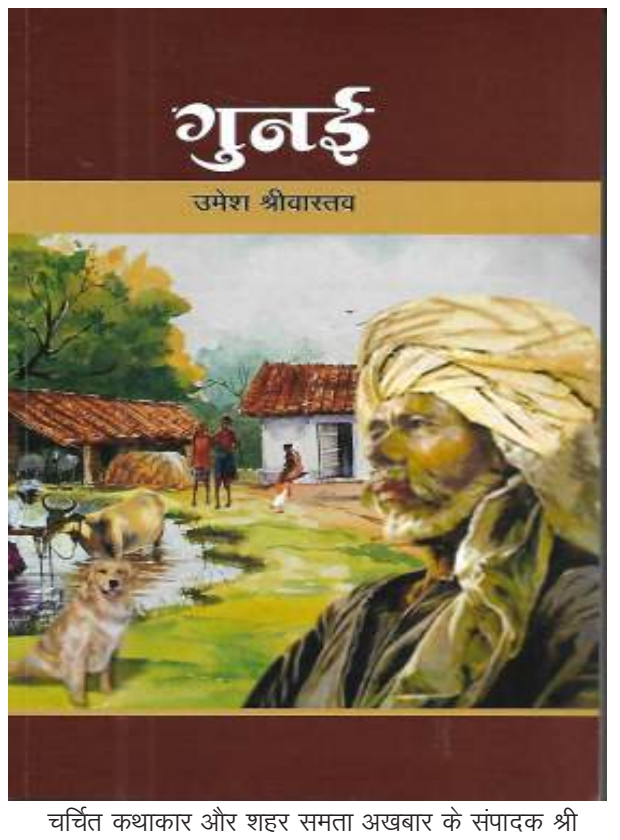

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

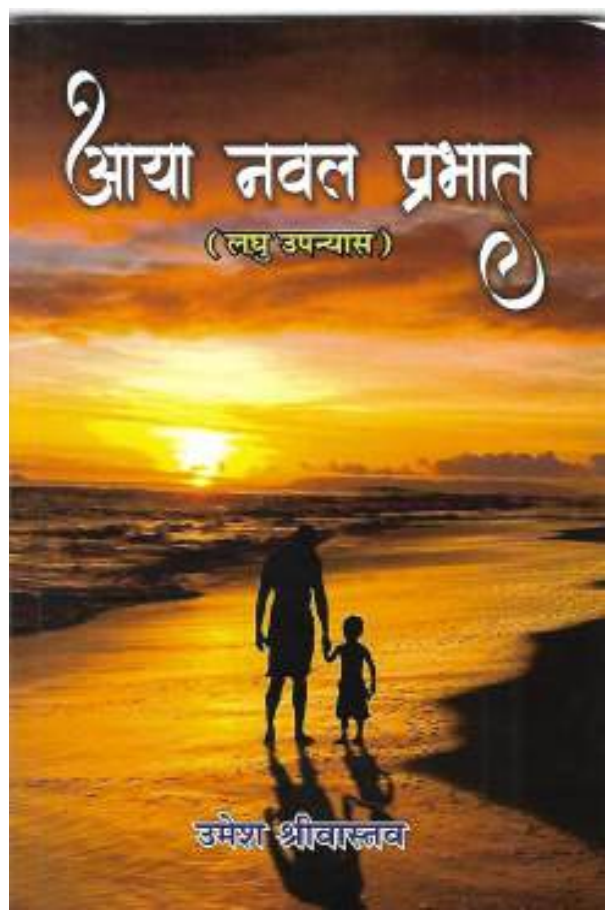

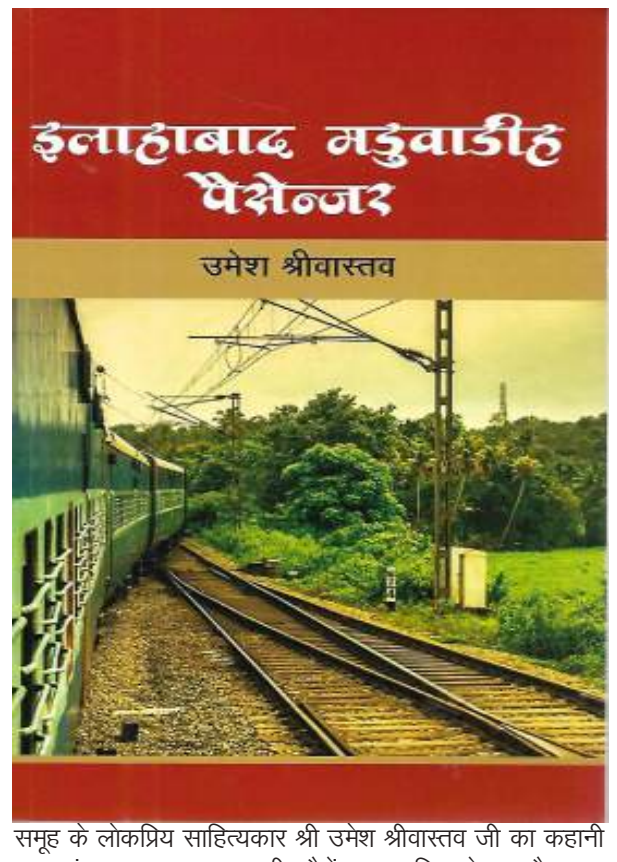

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

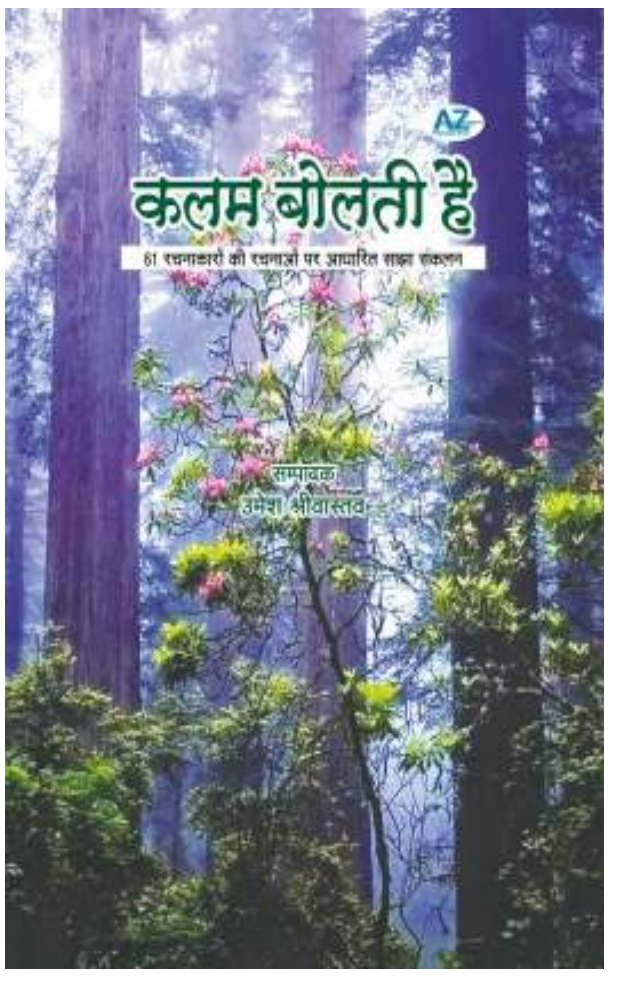

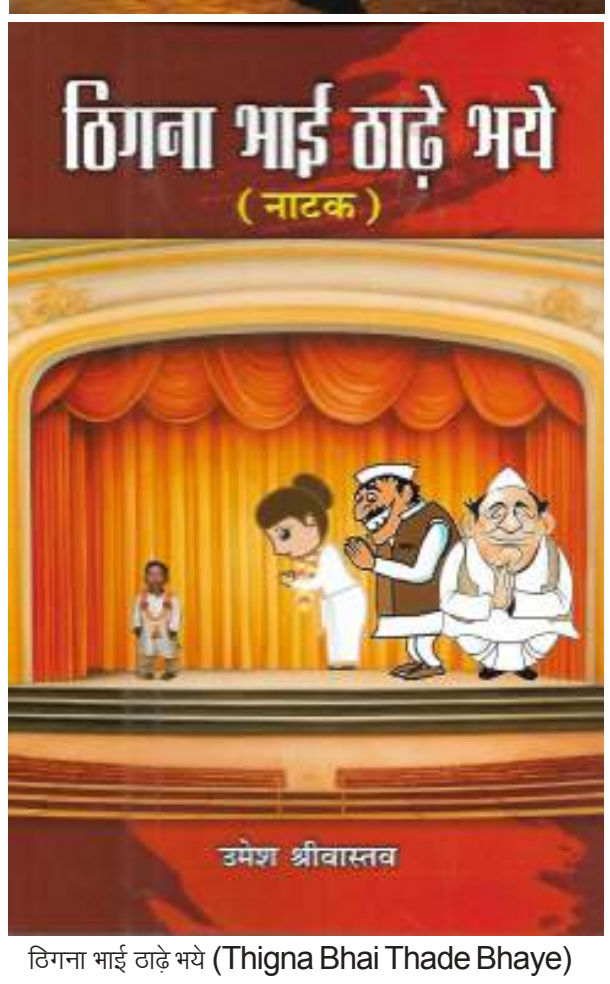

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पोप को हुई श्वसन संबंधी नयी समस्या, यांत्रिक श्वसन प्रणाली पर वापस लाया गया

रोम। पोप फ्रांसिस को सांस लेने में गंभीर दिक्कत होने की समस्या दो बार सामने आई और उन्हें 'नॉन–इनवेसिव मैकेनिकल वेंटिलेशन (यांत्रिक श्वसन प्रणाली)' पर वापस लाया गया। वेटिकन ने यह जानकारी दी। फ्रांसिस ने ''बहुत अधिक'' मात्रा में बलगम निगल लिया था और जटिल श्वसन संक्रमण तथा निमोनिया से उबरने के लिए पिछले कई दिन से संघर्षरत पोप के लिए यह और परेशानी की बात है। वेटिकन ने बाद में एक

नवीनतम सूचना में कहा कि ये घटनाएं उनके फेफड़ों में काफी बलगम जमा होने के कारण हुईं। पहले वेटिकन ने कहा था कि पोप फ्रांसिस निमोनिया से उबर रहे हैं और रविवार–सोमवार की दरमियानी रात उन्होंने अच्छी नींद ली। वेटिकन ने कहा था कि कैथलिक ईसाई धर्म के सर्वोच्च नेता पोप की हालत स्थिर है और उन्हें ' नॉन–इनवेसिव मैकेनिकल वेंटिलेशन (यांत्रिक श्वसन प्रणाली)' से हटा लिया गया है। पिछले सप्ताहांत में श्वसन संबंधी समस्या के बाद उनमें किसी नए संक्रमण का कोई लक्षण नहीं दिखाई दे रहा है। गेमेली अस्पताल ने बताया था, ''पोप ने पूरी रात अच्छी तरह से आराम किया।'' फ्रांसिस 14 फरवरी से इसी अस्पताल में भर्ती हैं। धर्मगुरु (88) को शुक्रवार को काफी ज्यादा खांसी होने पर ऑक्सीजन देनी पड़ी थी, जिससे आशंका पैदा हुई थी कि उनके फेफड़ों में शायद कोई नया संक्रमण हुआ है। चिकित्सकों ने रविवार शाम को बताया था कि फ्रांसिस की हालत स्थिर बनी हुई है, उन्हें बुखार या संक्रमण के कोई लक्षण नहीं हैं, जिससे पता चलता है कि उन्होंने संकट पर काबू पा लिया है। हालांकि, चिकित्सकों ने कहा कि अभी वह खतरे से बाहर नहीं हैं।

किम की बहन ने दक्षिण कोरिया में अमेरिकी विमानवाहक पोत की तैनाती पर जवाबी प्रतिक्रिया की धमकी दी

सियोल । उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने दक्षिण कोरिया में अमेरिकी विमान वाहक पोत और अन्य सैन्य गतिविधियों पर जवाबी प्रतिक्रिया देने की धमकी दी। किम यो जोंग ने इसे अमेरिका और उसके पिट्ठुओं का टकरावपूर्ण उन्मादी कदम करार दिया। किम यो जोंग की चेतावनी का तात्पर्य यह है कि उत्तर कोरिया संभवतः हथियार परीक्षण गतिविधियों में तेजी लाएगा तथा अमेरिका के खिलाफ टकराव

का रुख बरकरार रखेगा। हालांकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह कूटनीति को पुनर्जीवित करने के लिए किम जोंग उन से संपर्क करेंगे। एक बयान में किम यो जोंग ने अमेरिका पर उत्तर कोरिया के प्रति "अपनी सबसे शत्रुतापूर्ण और टकराव वाली इच्छा" को स्पष्ट रूप से दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कोरिया प्रायद्वीप में अमेरिकी रणनीतिक संसाधनों की तैनाती उत्तर कोरिया की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है और उत्तर कोरिया रणनीतिक स्तर पर दुश्मन की सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वाली कार्रवाइयों को बढ़ाने के विकल्प की सावधानीपूर्वक जांच करने की भी योजना बना रहा है। रविवार को अमेरिका का विमान वाहक पोत यूएसएस कार्ल विन्सन और उसका 'स्ट्राइक' समूह दक्षिण कोरिया पहुंचा।

ट्रंप के दांव के बाद चीन का एक्शन, अमेरिकी आयात पर इतने प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की

चीन 10 मार्च से कुछ अमेरिकी आयातों पर 10: से 15: का अतिरिक्त टैरिफ लगाएगा। चीनी वित्त मंत्रालय ने एक बयान में इस बात की जानकारी दी है। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के मेक्सिको और कनाडा से आयात पर नए 25: टैरिफ के प्रभावी होने के साथ–साथ चीनी वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना कर 20: करने के बाद आया है। जिन अमेरिकी उत्पादों पर चीन में 10: प्रतिशोधात्मक टैरिफ का सामना करना पड़ेगा उनमें सोयाबीन, ज्वार, सूअर का मांस, बीफ, जलीय उत्पाद, फल, सब्जियां और डेयरी उत्पाद शामिल हैं। चीनी वित्त मंत्रालय ने कहा कि चिकन, गेहूं, मक्का और कपास पर 15: टैरिफ लगाया जाएगा। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बताया कि इसके अतिरिक्त, चीन ने 25 अमेरिकी कंपनियों पर निर्यात और निवेश प्रतिबंध भी लगाया। डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा और मैक्सिको पर आयात पर नए 25: शुल्क के साथ–साथ चीनी सामानों पर टैरिफ को 10: से दोगुना कर 20: कर दिया। इसके बाद कनाडा ने भी 107 अरब डॉलर के अमेरिकी सामानों पर टैरिफ की घोषणा की।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

डोनाल्ड ट्रंप-जेलेंस्की व्हाइट हाउस विवाद के बाद, अमेरिका ने यूक्रेन को दी जाने वाली सभी सैन्य सहायता पर लगाई रोक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को यूक्रेन को दी जाने वाली सभी सैन्य सहायता पर रोक लगा दी है। खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ये आदेश दिया है। यह आदेश यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ ओवल ऑफिस में हुई झड़प के कुछ दिनों बाद जारी किया गया है। अब यूक्रेन को सबसे अहम देश अमेरिका से मिलने वाली मदद कम होगी, जिससे उनकी परेशानी बढ़ सकती है। ब्लूमबर्ग ने रक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया कि अमेरिका यूक्रेन को दी जाने वाली सभी मौजूदा सैन्य सहायता पर उस समय तक रोक लगाई है जब तक की खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह तय नहीं कर लेते कि देश के नेता शांति के लिए सद्भावनापूर्ण प्रतिबद्धता प्रदर्शित

करते हैं। अधिकारी ने निजी विचार–विमर्श के दौरान नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन में मौजूद नहीं रहने वाले सभी अमेरिकी सैन्य उपकरणों को रोक दिया जाएगा, जिनमें विमानों और जहाजों पर पारगमन के दौरान या पोलैंड में पारगमन क्षेत्रों में प्रतीक्षा कर रहे हथियार भी शामिल हैं। यह कथित आदेश शुक्रवार को वाशिंगटन के ओवल ऑफिस में ट्रंप और ज़ेलेंस्की की मुलाकात के दौरान सार्वजनिक रूप से हुई बहस के कुछ दिनों बाद आया है। यूक्रेनी नेता खनिजों के सौदे पर हस्ताक्षर करने के लिए अमेरिका आए थे, लेकिन भविष्य में रूसी आक्रमण के खिलाफ ट्रंप प्रशासन से सुरक्षा गारंटी मांगने के बाद यह समझौता विफल हो गया।

डोनाल्ड ट्रम्प ने सैन्य सहायता जारी रखी थी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जनवरी में घोषणा की थी कि वह इजरायल और मिस्र को दी जाने वाली सहायता को छोड़कर, विदेशी सहायता अनुदानों पर 90 दिनों के लिए रोक लगा देंगे। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, एक आंतरिक ज्ञापन में विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा, जब तक प्रत्येक प्रस्तावित नए पुरस्कार या विस्तार की समीक्षा और अनुमोदन नहीं हो जाता, तब तक नए पुरस्कारों या मौजूदा पुरस्कारों के विस्तार के लिए कोई नई धनराशि बाध्य नहीं की जाएगी। लेकिन उस आदेश के बाद भी यूक्रेन को सैन्य सहायता जारी रही। पिछले हफ़्ते व्हाइट हाउस में अपने दौरे के दौरान डोनाल्ड ट्रंप और उनके डिप्टी जेडी वेंस द्वारा सार्वजनिक रूप से ज़ेलेंस्की को फटकार लगाए जाने के बाद चीज़ें तेज़ी से बदल गईं। वेंस ने जहां यूक्रेनी राष्ट्रपति पर श्कृतघ्नश होने का आरोप लगाया, वहीं ट्रंप ने उन पर श्तीसरे विश्व युद्ध के साथ जुआ खेलनेश का आरोप लगाया। ट्रंप ने कहा है कि वह चाहते हैं कि यूक्रेन और रूस के बीच लड़ाई खत्म हो, लेकिन उन पर इस मामले पर टिप्पणी करते समय क्रेमलिन के मुद्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है। यूरोप के नेताओं ने एक शांति समझौते पर काम करना शुरू कर दिया है जिसे वे अमेरिका के सामने पेश करना चाहते हैं।

हर तरफ धूल, खंडहर और मलबे... फिर भी कुछ इस तरह गाजा में मनाया जा रहा रमजान

इज़राइल ने रमज़ान और फसह की अवधि के दौरान गाजा में अस्थायी युद्धविराम के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूत स्टीव विटकॉफ़ के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की। इसके बाद गाजा में थोड़ी शांति देखने को मिल रही है और लोग भय के साये में ही रमज़ान मना रहे हैं। 1 मार्च, शनिवार की शाम को रमज़ान के पहले दिन युद्ध प्रभावित फिलिस्तीनियों के लिए एक साथ उपवास तोड़ने के लिए कार्यकर्ताओं द्वारा एक मार्मिक इफ्तार रात्रिभोज का आयोजन किया गया था। इफ्तार की व्यवस्था एक आवासीय क्षेत्र में आयोजित की गई थी जो कभी एक समृद्ध स्थान था लेकिन अब विनाशकारी खंडहरों में पड़ा हुआ है। विनाश के बावजूद, दैनिक जीवन के कुछ पहलू युद्धविराम के तहत वापस लौट रहे हैं। सैकड़ों फिलिस्तीनी

रमज़ान के पहले इफ्तार के लिए रफ़ा में एकत्र हुए, और नष्ट हुई इमारतों के खंडहरों के बीच भोजन साझा किया। यह तब हुआ है जब काहिरा में युद्धविराम के दूसरे चरण के लिए बातचीत जारी है, जिसमें इज़राइल, कतर, मिस्र और संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्यस्थ शामिल हैं। जबकि हमास ने सीधे तौर पर भाग नहीं लिया है, उसकी स्थिति मिस्र और कतरी अधिकारियों के माध्यम से प्रस्तुत की जा रही है। जबकि कुछ क्षेत्रों में दुकानें और रेहड़ी–पटरी वाले फिर से खुल गए हैं, आर्थिक कठिनाई बनी हुई है। नुसीरत में हाइपर मॉल जैसे सुपरमार्केट फिर से खुल गए हैं, लेकिन कई आवश्यक सामान उन लोगों की पहुंच से बाहर हैं जिन्होंने अपनी आजीविका खो दी है। सूर्यास्त के बाद, जब इफ्तार के समय की घोषणा की गई, तो फिलिस्तीनियों ने गाजा के सबसे बमबारी वाले शहर, राफा में नष्ट हुए घरों और इमारतों के मलबे के बीच भोजन के साथ अपना उपवास तोड़ा। सभा की कुछ तस्वीरें और वीडियो ढही हुई इमारतों और मलबे के पहाड़ों के बीच स्थित अस्थायी भोजन क्षेत्र के ऊपर सजाए गए फिलिस्तीनी झंडों से सजी जीवंत रोशनी का एक असहज विरोधाभास दिखाते हैं। भोजन के इस दृश्य के चारों ओर परेशान करने वाला माहौल है, लेकिन बुज़ुर्गों, महिलाओं और बच्चों सहित फिलिस्तीनी परिवार एक साथ बैठते हैं और हँसी–मजाक से भर जाते हैं। हालाँकि, उनकी मुस्कुराहट के पीछे इज़रायली हवाई बमबारी के कारण अपने प्रियजनों, घरों और शहरों को हुए नुकसान का गहरा दुःख था। निवासियों ने सामुदायिक उत्सवों और सजावटी सजावट से भरे खुशहाल रमज़ान समारोहों को याद किया, जिसमें वे लोग भी शामिल थे जो अब संघर्ष में मारे गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप से लगातार मिल रहे झटके, अह जल्दी हो जाएगी इस विभाग के कर्मचारियों की रिटायरमेंट

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद से ही कई बदलाव देश में देखने को मिल रहे है। इन बदलावों का असर सिर्फ अमेरिका पर ही नहीं बल्कि दुनिया के अन्य देशों पर भी हो रहा है। अमेरिका में अब एक और बड़ा फैसला सामने आया है। अमेरिका के स्वास्थ्य विभाग ने अपने कर्मचारियों को नौकरी से समय से पहले रिटायरमेंट लेने का संदेश दिया है। अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग ने अपने कर्मचारियों को तीन मार्च को एक ईमेल भेजा है। इस ईमेल के जरिए कहा गया है कि 10 दिन के अंदर समय से पहले रिटायरमेंट के लिए आवेदन करनें होंगे। वहीं बीते सप्ताह के काम के बारे में कर्मचारियों को जानकारी भी उपलब्ध करानी होगी। गौरतलब है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क की ओर से बनाए गए सरकारी दक्षता विभाग के निर्देश के बाद नौकरियों में कटौती का फैसला किया गया है।

अब मिलेगा जल्दी रिटायरमेंट

गार्डियन की रिपोर्ट की मानें तो स्वास्थ्य और मानव स्वास्थ्य विभाग की ओर से कर्मचारियों को ईमेल भेजा गया है। अमेरिकी कार्मिक प्रबंधन कार्यालय की ओर से इस ईमेल को कर्मचारियों को भेजा गया है। इस ईमेल को तीन मार्च को कर्मचारियों को भेजा गया है। इस ईमेल में कहा गया है कि कर्मचारियों को वॉलंटरी अर्ली रिटायरमेंट अथॉरिटी के तहत अपनी स्वेच्छा से जल्दी रिटायरमेंट लेना होगा। इस ईमेल में बताया गया है कि उन्हें एक वेबसाइट पर जाना होगा। इसमें लिखा था कि इसके योग्य कर्मचारियों की उम्र 50 वर्ष की होनी चाहिए। जिन कर्मचारियों को रिटायरमेंट लेना होगा उन्हें कम से कम 20 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। वहीं वो कर्मचारी भी रिटायरमेंट ले सकते हैं जो 25 वर्ष तक कार्य कर चुके है। रिटायरमेंट लेने का विकल्प 14 मार्च शाम पांच बजे तक वैलिड रहेगा।

अमेरिका में छंटनी जोर पर

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से ही लगातार कई बदलाव देखने को मिल रहे है। सरकारी खर्चों में कटौती की जा रही है। हजारों कर्मचारियों को नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। कई एजेंसियों के कुल 20 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा चुका है। नौकरी से निकाले जाने पर सरकार के कामकाज पर भी नकारात्मक असर देखने को मिल सकता है।

इमरान खान को जेल में काल कोठरी में रखा गया है, पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ का दावा

पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में मौत की कोठरी में एकांत कारावास में रखा जा रहा है। यह दावा किसी और ने नहीं, बल्कि इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ की ओर से किया गया है। पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ के केंद्रीय सूचना सचिव शेख वकास अकरम ने संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि इमरान खान को काल कोठरी में रखा गया है; उन्हें एकांत कारावास में रखा गया है। खान को दोषी ठहराए जाने से पहले ही विचाराधीन कैदी के रूप में काल कोठरी में रखा गया है।' शेख वकास अकरम ने यह भी दावा किया कि जिस कोठरी में खान को रखा गया, वह आतंकवादियों के लिए है। उन्होंने कहा कि यह शर्मनाक है कि पूर्व प्रधानमंत्री के साथ इस तरह का व्यवहार उनकी इच्छा को तोड़ने के एकमात्र उद्देश्य से किया जा रहा है। अकरम ने दावा किया कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद खान का संकल्प मजबूत था। उन्होंने आगे कहा कि खान को राजनीतिक सहयोगियों और परिवार के सदस्यों सहित आगंतुकों से मिलने से मना कर दिया गया था, जो कानून के विपरीत था, जो उन्हें वकीलों और करीबी रिश्तेदारों से मिलने का अधिकार देता था। उन्होंने यह भी दावा किया कि छह लोगों को खान से मिलने की

अनुमति देने वाले अदालत के फैसले के बावजूद, अधिकारियों ने बैठकें करने की अनुमति नहीं दी थी। अकरम ने कहा, ष्अदालतों के आदेशों की अवहेलना की जा रही है। यहां तक घ्कि इमरान खान की पत्नी को भी दो बार उनसे मिलने से मना कर दिया गया है और कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया जा रहा है।ष उन्होंने कहा कि पार्टी ने अदालत की अवमानना घ्की याचिका दायर की है, लेकिन बैठकों की इजाजत नहीं दी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि खान को उनके डॉक्टर के साथ चिकित्सीय परामर्श देने से इनकार कर दिया गया है, जिससे उनकी भलाई के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं।

पिछले साल की शुरुआत से सूडान में 200 से अधिक बच्चों से बलात्कार हुआ : यूनिसेफ

काहिरा । संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी 'यूनिसेफ' ने बताया कि संघर्ष–ग्रस्त सूडान में 2024 की शुरुआत से एक साल की उम्र तक के बच्चे बलात्कार का शिकार हुए हैं। 'यूनिसेफ' के अनुसार, यौन हिंसा का इस्तेमाल युद्ध की रणनीति के रूप में किया जा रहा है। 'यूनिसेफ' ने बताया कि उत्तर अफ्रीकी देश में लिंग आधारित हिंसा के विषय में काम करने वाली संस्थाओं द्वारा संकलित रिकॉर्ड के अनुसार, सशस्त्र बलों ने लड़कों सहित 221 बच्चों से बलात्कार किया। सूडान में युद्ध की शुरुआत अप्रैल 2023 में सेना और उसके प्रतिद्वंद्वी अर्द्धसैनिक 'रैपिड सपोर्ट फोर्स'

के बीच खार्तूम में लड़ाई से हुई जो देश भर में फैल गई। तब से कम से कम 20,000 लोग मारे गए हैं, हालांकि यह संख्या कहीं अधिक होने की आशंका है। युद्ध के कारण 1.4 करोड़ से अधिक लोग अपने अपने घरों को छोड़ने पर मजबूर हुए और देश के कुछ हिस्से भूखमरी की कगार पर हैं। अधिकार समूहों का कहना है कि यौन हिंसा और जबरन बाल विवाह सहित अत्याचार दोनों पक्षों द्वारा किए गए हैं। 'यूनिसेफ' ने पिछले महीने बताया था कि युद्ध शुरू होने के बाद से अनुमानित 61,800 बच्चे आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हैं। 'यूनिसेफ' ने कहा कि बच्चों के साथ बलात्कार के मामलों में 30 प्रतिशत से अधिक पीड़ित लड़के थे। पीड़ितों में पांच वर्ष से कम उम्र के 16 बच्चे और चार शिशु शामिल हैं। ये मामले गदारेफ, कसाला, गेजेरा, खार्तूम, रिवर नाइल, नॉर्दर्न स्टेट, साउथ कोर्दोफन, नॉर्थ दारफुर और वेस्ट दारफुर राज्यों में दर्ज किए गए। 'यूनिसेफ' की प्रवक्ता टेस इनग्राम ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया कि बलात्कार के शिकार हुए 221 बच्चों में से 73 मामले संघर्ष से संबंधित थे और 71 इससे संबंधित नहीं थे जबकि अन्य अज्ञात थे। यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने रिपोर्ट में कहा कि बलात्कार सहित यौन हिंसा का इस्तेमाल ''युद्ध की रणनीति के रूप में किया जा रहा है'' जो अंतरराष्ट्रीय कानून और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े कानूनों का उल्लंघन है।

हाइफा में चाकू से हमले में एक व्यक्ति की मौत और चार घायल : इजराइली अधिकारी

इजराइल के उत्तरी शहर हाइफा में सोमवार को चाकू से किए गए हमले में करीब 60 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। इजराइली अधिकारियों ने बताया कि हमलावर मारा गया है। पुलिस ने बताया कि एक पारगमन केंद्र में यह घटना हुई। पुलिस ने कहा कि वह इस हमले को एक आतंकवादी हमला मानकर चल रही है। एक सुरक्षा गार्ड और एक नागरिक ने हमलावर को मार गिराया। पुलिस ने बताया कि हमलावर अरबी मूल का इजराइली नागरिक था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।